मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 18 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 4 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 304, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ देश में विकसित संस्कृति के विकास से बढ़ा आयकर का दायरा

तुम्बाड 2 का हिस्सा बनने पर ट्रोल हुई आलिया ◀◀ 6

रांची में दम घुटने से मां और मासूम बच्चे की मौत, बेटी और ननद की हालत गंभीर

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आया है। यहां एक मां और उसके ढाई साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। यह भयानक हादसा घर में कोयले के चूल्हे की वजह से हुआ है। इस हादसे में दो अन्य लोग गंभीर है, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

क्या है पूरा मामला : रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर में कोयले के चूल्हे की वजह से बड़ा हादसा सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार बिहार के छपरा की रहने वाली 40 वर्षीय पिंकी देवी अपने दो बच्चों और ननद के साथ चटकपुर स्थित एक किराये के मकान में रहती थी। शुक्रवार की रात पिंकी देवी ने कोयले के चूल्हे पर खाना पकाया और सभी ने एक साथ खाना भी खाया, लेकिन पिंकी कोयले के चूल्हे को कमरे से बाहर निकालना भूल गई और कमरा बंद करके सो गई।

शनिवार की सुबह जब काफी देर हो जाने के बाद भी कमरे का दरवाजा नहीं खुला तब दरवाजे को किसी तरह से खोला गया। जहां पिंकी देवी, उनके दोनों बच्चे और ननद बेहोश पड़े थे। स्थानीय लोगों के द्वारा ही सभी को अस्पताल ले जाया गया।

पिंकी देवी और ढाई साल के बेटे की मौत : अस्पताल में डॉक्टर ने बताया कि पिंकी देवी और उसके ढाई साल के बेटे की मौत अस्पताल लाने से पहले ही हो चुकी थी।

दम घुटने की वजह से दोनों की मौत हुई है। इस हादसे में पिंकी देवी का साढ़े तीन साल का बेटी और 17 साल की ननद की हालत बेहद गंभीर है। दोनों का इलाज किया जा रहा है।

पुलिस को दी गई जानकारी : मामले की जानकारी मिलने के बाद रातू पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। रातू थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि मां और बच्चे की मौत दम घुटने की वजह से हुई है। कमरे से कोयले का चूल्हा बरामद किया गया है। कमरे में वेंटिलेशन का कोई रास्ता नहीं था, इस वजह से लोगों का दम घुट गया होगा। वहीं, मृतक पिंकी देवी की बेटी और ननद का इलाज चल रहा है।

आयकर सर्वे में बिल्डरों के ठिकाने से 120 करोड़ की अघोषित आय व संपत्ति के दस्तावेज मिले

संवाददाता

रांची : आयकर विभाग के सर्वे में पनाश और दयानंद मोदी ग्रुप के ठिकानों से 120 करोड़ रुपये की अघोषित और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा बिल्डर्स एग्रिमेंट के दौरान 80 करोड़ रुपये कैपिटल गेन टैक्स नहीं चुकाने का मामला भी पकड़ में आया है। रांची में सर्वे के दौरान 100 करोड़ से अधिक की गड़बड़ी पकड़े जाने का यह पहला मामला है। पूछताछ के दौरान बिल्डर और फ्लैट खरीदने वालों ने नकद लेन-देन की बात स्वीकार की।

आयकर विभाग द्वारा 15 जुलाई को शुरू हुआ सर्वे 17 जुलाई की देर रात समाप्त हो गया। सर्वे के दौरान दोनों बिल्डरों के ठिकानों से अघोषित आय और अघोषित संपत्ति से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। प्रारंभिक जांच के दौरान इन बिल्डरों ने 120 करोड़ की अपनी वास्तविक आमदनी छिपायी और इस रकम से संपत्ति अर्जित की। बिल्डरों ने इस रकम से खरीदी गयी संपत्ति की भी जानकारी आयकर विभाग को नहीं दी है।

सर्वे के दौरान मिले दस्तावेज में वर्णित तथ्यों के आधार पर 90 करोड़ रुपये के कैपिटल गेन टैक्स की भी चोरी का मामला पकड़ में आया है। इन बिल्डरों ने कुछ कंपनियों के साथ भी डेवलपमेंट एग्रिमेंट किया है। लेकिन जिन कंपनियों के साथ डेवलपमेंट एग्रिमेंट किया गया, उन कंपनियों ने कैपिटल गेन टैक्स जमा नहीं किया है। आयकर अधिनियम की धारा 45(1) के तहत किसी कंपनी द्वारा बिल्डर के साथ डेवलपमेंट किया जाने के बाद कंपनी को उसी साल कैपिटल गेन टैक्स जमा करना है। कंपनी की जमीन पर बिल्डर द्वारा निर्माण कार्य शुरू नहीं किये जाने की स्थिति में भी कैपिटल गेन टैक्स उसी साल जमा करना है, जिस साल डेवलपमेंट एग्रिमेट किया गया। आयकर विभाग ने सर्वे के दौरान बिल्डरों के डिजिटल डिवाइस का डिलिटेड डाटा निकालने के लिए कोलकाता से बुलाया था। इस टीम द्वारा बिल्डरों के मोबाइल से निकाले गये डिलिटेड चैट में फ्लैट की बिक्री के दौरान नकद लेन-देन का ब्योरा दर्ज था। चैट में मिले ब्योरे के आलोक में आयकर विभाग के अधिकारियों के कुछ फ्लैट के खरीददारों को समन भेज कर बुलाया था और उससे पूछताछ की थी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर झारखंड में विशेष लोक अदालत, 553 मामलों के त्वरित निष्पादन की तैयारी

रांची: झारखंड से जुड़े सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए एक विशेष पहल शुरू की गई है। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) की ओर से जारी पत्र के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 'समाधान समारोह' (विशेष लोक अदालत) का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष अभियान 21, 22 और 23 अगस्त को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत के माध्यम से संपन्न होगा। झालसा के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट से झारखंड राज्य से संबंधित कुल 553 लंबित मामलों की सूची प्राप्त हुई है, जिनका निस्तारण इस विशेष अभियान के तहत करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान की तैयारियों और विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की समीक्षा के लिए 21 जुलाई को शाम 4:45 बजे झारखंड हाई कोर्ट में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। बैठक की अध्यक्षता झारखंड हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश करेंगे, जबकि इसमें मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक , महाधिवक्ता, विधि सचिव समेत अन्य प्रमुख विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद भी उपस्थित रहेंगे। इस विशेष पहल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के शीघ्र और प्रभावी निपटारे के साथ न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुगम और तेज बनाना है।

'भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक गौरव का क्षण', 'विक्रम-1' की सफलता पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली । भारत के पहले निजी रूप से विकसित ऑर्बिटल प्रक्षेपण यान 'विक्रम-1' ने अपने मिशन में सफलता हासिल की है। शनिवार को दोपहर करीब 12 l05 मिनट पर प्रक्षेपण यान 'विक्रम-1' श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। इसने अपने सभी मिशन चरण सफलतापूर्वक पूरे करते हुए पेलोड्स को उनकी निर्धारित कक्षा में स्थापित किया। इस सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश के कई बड़े नेताओं ने प्रसन्नता जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मैंने स्काईरूट एयरोस्पेस की टीम से बात की और उन्हें विक्रम-1 के सफल लॉन्च पर बधाई दी। यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक अहम पड़ाव है। हमारे प्राइवेट सेक्टर की बढ़ती भागीदारी नए रास्ते खोल रही है और इनोवेशन को बढ़ावा दे रही है। यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को बड़े सपने देखने और निडर होकर इनोवेशन करने के लिए प्रेरित करेगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पोस्ट किया, भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक गौरव का क्षण। भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल 'विक्रम-1' के सफल लॉन्च पर 'टीम स्काईरूट' को बहुत-बहुत बधाई।

समाचार सार

गाय चोरी मामले में चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

चतरा : सदर थाना पुलिस ने गाय चोरी के एक मामले का त्वरित उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कप्तान अनिमेष नैथानी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन द्वारा एक टीम गठन कर अभियान चलाया गया। आपको बताते चलें कि सदर थाना क्षेत्र के कठोतिया निवासी सोनी देवी ने 13 जुलाई को सदर थाना में आवेदन दिया था कि उनके घर से गाय चोरी हो गई है। सदर थाना में मामला दर्ज कर पुलिस टीम ने तत्काल जांच शुरू की।जांच के क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शहादत चौक के समीप दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने गाय चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई एक लाल रंग की बछड़ी बरामद कर ली गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अकरम उर्फ कुरैशी (20 वर्ष) पिता जब्बार कुरैशी, निवासी शहादत चौक तथा आबिद (25 वर्ष) पिता नईम, निवासी अंसार नगर, थाना सदर, जिला चतरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अकरम के विरुद्ध पूर्व से भी आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज हैं, जबकि आबिद के खिलाफ भी पूर्व में आपराधिक मामला दर्ज है। पुलिस इस कांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी एवं साक्ष्य संकलन के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। कुछ और लोग का संलिप्त उजागर हुआ। इस कार्रवाई में सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव, पुलिस अवर निरीक्षक जय प्रकाश कुमार सिंह तथा सदर थाना के सशस्त्र बल की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हंटरगंज के आदित्य ने लहराया परचम

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत नागर गांव के होनहार छात्र आदित्य कुमार सिंह ने देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी-बीएचयू) वाराणसी में चयनित होकर पूरे चतरा जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और क्षेत्र में हर्ष की माहौल है। आदित्य, संजीत कुमार सिंह के सुपुत्र हैं। उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन और अटूट लगन के बल पर देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में सफलता हासिल करते हुए आईआईटी (बीएचयू) में प्रवेश सुनिश्चित किया। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधन भी बड़े सपनों की राह में बाधा नहीं बनते, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत पूरी ईमानदारी से की जाए।

आदित्य की इस उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। उनके चयन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, शुभचिंतकों एवं ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें और उनके परिवार को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।क्षेत्रवासियों ने विश्वास जताया कि आदित्य आगे भी अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर देश, समाज और चतरा जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। उनके इस उपलब्धि पर उनके भाई अभिमन्यु सिंह और कांग्रेस नेता आशुतोष कुमार ने उन्हें दूरभाष के माध्यम से बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजयुमो प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनिवास की गिरफ्तारी के विरोध में हुआ प्रदर्शन

चतरा : भाजपा नेता एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनिवास की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को भाजपा कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने का प्रयास किया। हालांकि सदर थाना पुलिस ने समय रहते हस्तक्षेप करते हुए कार्यकताओं को पुतला दहन करने से रोक दिया। इस दौरान कुछ देर के लिए केसरी चौक पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। भाजयुमो के जिला अध्यक्ष सुमन सौरव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता केसरी चौक पहुंचे थे। कार्यकताओं के हाथों में मुख्यमंत्री का पुतला था और वे श्रीनिवास की गिरफ्तारी के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे। जैसे ही कार्यकर्ता पुतला दहन की तैयारी करने लगे, पहले से तैनात सदर थाना पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिसकर्मियों ने कार्यकताओं के हाथ से पुतला छीन लिया, जिसके बाद पुलिस और भाजपा कार्यकताओं के बीच कुछ देर तक बहस भी हुई। हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित रखते हुए पुतला दहन नहीं होने दिया। मौके पर भाजपा कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और श्रीनिवास की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताया। भाजयुमो जिला अध्यक्ष सुमन सौरव ने आरोप लगाया कि चतरा पुलिस राज्य सरकार के दबाव में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के इशारे पर पुलिस हिटलरशाही रवैया अपना रही है और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने के अधिकार का भी हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार भाजपा कार्यकताओं के खिलाफ दमनकारी नीति अपनाकर उन्हें जेल भेजती रही है, उसी प्रकार झारखंड में भी हेमंत सोरेन सरकार भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को निशाना बना रही है। श्रीनिवास की गिरफ्तारी भी इसी राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है।सुमन सौरव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इस प्रकार के दमन से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से इस तानाशाही सरकार को जवाब देगी। उन्होंने श्रीनिवास की शीघ्र रिहाई की मांग करते हुए कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर अपना आंदोलन आगे भी जारी रखेगी। दूसरी ओर, पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुतला दहन की अनुमति नहीं दी और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए एहतियातन कार्रवाई की। पुलिस की सतर्कता के कारण कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया और बाद में कार्यकर्ता वहां से लौट गए।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने किया मौन पैदल मार्च

मुरी : अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक के 19 वें दिन अनशन के समर्थन में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा सिल्ली के बैनर तले ग्राम विकास स्कूल सिल्ली से शाम को पैदल मार्च निकाला गया। पैदल मार्च शहीद भगत सिंह चौक मुरी में समापन हुआ। मौके पर पार्टी के महिला नेत्री बेबी देवी, राजू महतो बंगाल प्रभारी उपस्थित थे।

पुनर्विकासित मुरी स्टेशन का हुआ लोकार्पण

मुरीः झारखंड के दो स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत पुनर्विकाशित का लोकार्पण किया गया। मुरी स्टेशन का लोकार्पण प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ऑनलाइन किया गया ,जिसमे स्कूली बच्चों ने रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। चित्रांकन के लिए बच्चो को सम्मानित भी किया गया । मुख्य रूप से मंच पर आसीन राज्य सभा सांसद प्रदीप वर्मा ,विधायक अमित कुमार महतो, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार सिंह , अपर मुख्य रेल प्रबंधक हेमराज मीणा उपस्थित थे ।मौके पर शुबोद सिंह गुड्डू , सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक ,उप प्रमुख आरती देवी ,वनमली महतो ने किया।

प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह

कोर्ट में गवाही के डर से प्रेमिका की कराई हत्या, सुपारी किलर गिरफ्तार

एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने प्रेस वार्ता में किया खुलासा, मुख्य आरोपी की तलाश जारी

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के जजलो गांव स्थित बंद पत्थर खदान से 26 जून को बरामद युवती दिव्या कुमारी के शव मामले का चतरा पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने हत्या में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के गया जिले के बांकेबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत खरांटी गांव निवासी नेपाली गंझू के रूप में हुई है। मामले की जानकारी शुक्रवार को चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।एसडीपीओ ने बताया कि मृतका दिव्या कुमारी बिहार के डोभी थाना क्षेत्र के अछमा गांव की रहने वाली थी। उसका शेरघाटी थाना क्षेत्र के कुबड़ी गांव निवासी राहुल यादव के साथ प्रेम संबंध था। किसी विवाद के बाद दिव्या ने राहुल यादव के खिलाफ एसटी एससी का मामला दर्ज कराया था। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन था।

कोर्ट में गवाही से बचने के लिए रची हत्या की साजिश : पुलिस जांच में सामने आया कि राहुल यादव लगातार दिव्या पर दर्ज मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा था। लेकिन दिव्या इसके लिए तैयार नहीं हुई। राहुल को आशंका थी कि यदि दिव्या न्यायालय में उसके खिलाफ गवाही देगी तो उसे सजा हो सकती है। इसी डर से उसने दिव्या को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

एसडीपीओ ने बताया कि राहुल यादव ने नेपाली गंझू को दो लाख रुपये की सुपारी देकर दिव्या की हत्या कराने की योजना बनाई। योजना के तहत दोनों ने मिलकर दिव्या की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र स्थित जजलो गांव की बंद पड़ी पत्थर खदान में ले जाकर फेंक दिया।

तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान से खुला राज : शव मिलने के बाद हंटरगंज थाना में हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने विशेष जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान तकनीकी साक्ष्य, वैज्ञानिक जांच और विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ के आधार पर पुलिस हत्या की गुत्थी सुलझाने में सफल रही। इसी क्रम में नेपाली गंझू को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं।

मुख्य आरोपी राहुल यादव की तलाश जारी : एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि हत्या का मुख्य साजिशकर्ता राहुल यादव फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। छापेमारी अभियान में हंटरगंज थाना के इंस्पेक्टर विपिन कुमार, हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार शामिल थे।

श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई अकुरिया बाबा की 6वीं पुण्यतिथि

संतों ने किया स्मरण, भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बच्चों के बीच बांटी गई अध्ययन सामग्री

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के खूंटीकेवाल पंचायत अंतर्गत झिकटिया स्थित सूर्य मंदिर परिसर के बाबा कुटिया आश्रम में प्रसिद्ध संत श्री श्री 1008 महेशानंद भारती उर्फ अकुरिया बाबा की 6वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक माहौल के बीच मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा, संत प्रवचन, अध्ययन सामग्री वितरण एवं विशाल भंडारे सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।कार्यक्रम में झारखंड और बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।कार्यक्रम की शुरूआत अकुरिया बाबा के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। उपस्थित संतों एवं अतिथियों ने बाबा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके आध्यात्मिक जीवन, समाज सेवा और मानव कल्याण के लिए किए गए कार्यों को याद किया।इस अवसर पर बिहार के रानीगंज से पहुंचे संत नारायण चेतन महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि संत समाज के लिए प्रेरणा के स्रोत होते हैं। उन्होंने कहा कि अकुरिया बाबा का जीवन त्याग, तपस्या, सेवा और मानव कल्याण को समर्पित था। वे अपने शिष्यों और भक्तों के लिए गंगा के समान पावन एवं पापों का नाश करने वाले संत थे। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का विस्तार संभव है।कार्यक्रम के दौरान रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय, हंटरगंज के प्राचार्य अनूप कुमार ने बच्चों के बीच कॉपी, कलम सहित अध्ययन सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है और समाज को शिक्षित बनाने में सभी लोगों को अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने अकुरिया बाबा के बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जनार्दन चेतन, सत्यनारायण सिंह, अरुण कुमार, शिक्षक उमेश कुमार, दिलीप कुमार शर्मा, संजय कुमार शर्मा, विजय कुमार शर्मा, भजू यादव, चंद्रिका यादव, सीता यादव, विकास कुमार भारती, सुरेंद्र कुमार भारती, गणेश कुमार यादव, माही, भोलू, नीतीश, संतोष, सुधांशु सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिला व प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के लिए क्षमतावर्धन कार्यशाला आयोजित

चतरा : नीति आयोग के मार्गदर्शन में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, डेटा आधारित प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने तथा विकास योजनाओं की सतत निगरानी एवं समीक्षा के उद्देश्य से समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में नीति तारा विषय पर शुक्रवार को जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के लिए एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उपायुक्त श्री रवि आनंद ने कहा कि नीति तारा नीति आयोग की एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल है, जो वास्तविक समय के आंकड़ों के आधार पर विकास योजनाओं की प्रगति की निगरानी, समीक्षा एवं साक्ष्य आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाती है।उन्होंने कहा कि यह प्लेटफॉर्म विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं के नियोजन, क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं परिणाम आधारित मूल्यांकन को नई दिशा प्रदान करेगा।उपायुक्त ने अधिकारियों से नीति तारा का नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि उपलब्ध आंकड़ों का सतत विश्लेषण कर योजनाओं में आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई समयबद्ध ढंग से की जाए, ताकि शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं परिणामोन्मुख बन सके तथा योजनाओं का लाभ लक्षित लाभुकों तक प्रभावी रूप से पहुंचे।कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को नीति तारा प्लेटफॉर्म की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में रियल-टाइम डैशबोर्ड, योजना निर्माण उपकरण, एआई आधारित बैठक कार्यवृत्त तैयार करने की सुविधा, डेटा विश्लेषण एवं समीक्षा प्रणाली सहित विभिन्न मॉड्यूल के संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षण सत्र में अधिकारियों को विभागवार प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की समीक्षा, योजनाओं में अंतराल की पहचान, विभागीय प्रदर्शन का विश्लेषण, प्राथमिकताओं का निर्धारण तथा परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यप्रणाली में तकनीक एवं डेटा के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देकर सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाना है।कार्यशाला में सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, नोडल पदाधिकारी (नीति तारा) सह ईडीएम, सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

हिंडालको इंडस्ट्रीज ने मोबाइल मेडिकल यूनिट का किया शुभारंभ

मुरी : शुक्रवार को हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुरी के सीएसआर विभाग द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। हिंडालको मूरी के बिजनेस हेड सौरभ खेडेकर ने हरी झंडी दिखाकर मोबाइल मेडिकल यूनिट को रवाना किया।इस अवसर पर अपने संबोधन में खेडेकर ने कहा कि हिंडालको केवल एक उद्योग नहीं चलाता, बल्कि समाज के समग्र विकास के लिए भी निरंतर कार्य भी करता है। मोबाइल मेडिकल यूनिट इसी सोच और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके माध्यम से दूर-दराज क्षेत्रों के लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिंडालको के सीएमओ नित्यानंद राय तथा प्लांट हेड संदीप पाटिल ने कहा कि हिंडालको अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सदैव वचनबद्ध रहा है और स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मोबाइल मेडिकल यूनिट क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।इस अवसर पर हिंडालको के एचआर हेड प्रमोद कुलहर, आईआर हेड कुमार अविशेक, अकाउंट्स हेड अभिजीत सेन, प्रशांत बोस, श्याम कुमार, प्रभात सहित कंपनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।कार्यक्रम में कई पंचायतों के जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने भी भाग लिया, जिनमें लुपुंग पंचायत के मुखिया सीमा कुमारी, पिस्का पंचायत के मुखिया सोमरा मांझी, कोचो पंचायत की मुखिया श्रीमती सोमवारी देवी समेत सैकड़ों ग्रामीण एवं समाजसेवी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारीगण, सभी सहियाएं, तथा द हंस फाउंडेशन की सुश्री अंजलि एवं उनकी टीम भी कार्यक्रम में उपस्थित रही।मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन से क्षेत्र के दूरस्थ एवं वंचित ग्रामीणों तक नियमित स्वास्थ्य जांच, चिकित्सीय परामर्श, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य जागरूकता सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। यह पहल हिंदालको मुरी की जनस्वास्थ्य एवं सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाएगी।कार्यक्रम का संचालन हिंडालको मूरी के सीएसआर विभाग के प्रमुख अनिल सिंह द्वारा किया गया।

जब सुरक्षाकर्मी ही असुरक्षित तो वरिष्ठ-अनुभवी मंत्री की सुरक्षा कैसे संभव : बंधु तिर्की

जमीनी और व्यावहारिक पहलुओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर सटीक निर्णय लें डीजीपी

रांची : पूर्व मंत्री एवं झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि जब संबंधित सुरक्षाकर्मी ही असुरक्षित रहेंगे तो राज्य के वित्त, वाणिज्य कर, योजना एवं विकास और संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर की सुरक्षा कैसे संभव है? श्री तिर्की ने कहा कि वरिष्ठ मंत्री श्री किशोर को न केवल लम्बा संसदीय अनुभव है बल्कि वे प्रशासनिक और सरकारी कार्यप्रणाली को भी बखूबी जानते हैं. उन्होंने न तो राज्य सरकार के खिलाफ में कोई बात कही है न ही प्रशासन के विरुद्ध बल्कि श्री किशोर ने व्यवस्था संबंधित वैसे व्यावहारिक मुद्दे उठाये जिससे ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा सीधे-सीधे प्रभावित हो रही थी. आखिर 16 सुरक्षाकर्मी दो वाहनो में यात्रा करते हुए कैसे अपनी ड्यूटी निभा सकते हैं?

श्री तिर्की ने कहा कि सुरक्षाकर्मी की सुरक्षा सीधे उस व्यक्ति की सुरक्षा से जुड़ी है जिसके लिये वो तैनात हैं इसलिये माननीय मंत्री की बातों को हल्के में लेना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है.

उन्होंने कहा कि इस गंभीर मामले में राज्य की पुलिस महानिदेशक और अन्य वरीय अधिकारियों को जमीनी और व्यावहारिक पहलुओं पर गौर करते हुए वैसा उपयुक्त निर्णय लेना चाहिये जो निर्धारित आवश्यकताओं, मापदंडों और प्रक्रियाओं के अनुकूल हो. प्रोटोकॉल के निश्चित मानदंडों की अवहेलना नहीं होनी चाहिये अन्यथा इसका नकारात्मक प्रभाव संसदीय और विधायिका की व्यवस्था पर पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता.

श्री तिर्की ने कहा कि किसी भी स्थिति में राज्य के वरिष्ठ मंत्री और प्रसिद्ध कांग्रेस नेता की सुरक्षा के मामले में कोई खिलवाड़ नहीं होना चाहिये क्योंकि यह न केवल राज्य के मंत्रियों, सभी विशिष्ट लोगों बल्कि राज्य की आम जनता के साथ जुड़ा मामला भी है और सही निर्णय से सभी के बीच सकारात्मक संदेश जायेगा साथ ही भरोसा बरकरार रहेगा.

श्री तिर्की ने कहा कि श्री किशोर पर पहले भी नक्सलियों द्वारा हमला किया जा चुका है इसलिये यह गंभीर मामला है. वरिष्ठ मंत्री उस क्षेत्र से आते हैं जो नक्सलवाद से प्रभावित रहा है. वरिष्ट कांग्रेस नेता ने कहा कि श्री किशोर, आम लोगों और झारखण्ड के हित में अनेक वैसे निर्णय लेने तथा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के निर्वहन के कारण वे उन नक्सलियों तथा वैसे तत्वों के निशाने पर भी हैं जो किसी भी हालत पर झारखण्ड और यहाँ के लोगों का हित नहीं चाहते. श्री तिर्की ने कहा कि जिस रूप में यह मामला सामने आया है उसके कारण न केवल सुरक्षा से समझौता हो रहा है बल्कि झारखण्ड की छवि भी धूमिल हो रही है. इसलिये इस मामले में त्वरित रूप से व्यावहारिक निर्णय होना चाहिये. साथ ही त्वरित भी होना चाहिये.

सोनम वांगचुक को अस्पताल ने जाना गलत : विजय शंकर नायक

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल ले जाने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों पर हमला बताते हुए कहा कि शांतिपूर्ण विरोध को दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

नायक ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार असहमति की आवाज को संवाद के बजाय पुलिस कार्रवाई से दबाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार का दायित्व जनता से बातचीत करना है, न कि विरोध करने वालों पर दमन करना।

कांग्रेस प्रवक्ता ने केंद्र सरकार से सोनम वांगचुक के साथ हुई कार्रवाई पर स्पष्टीकरण देने, आंदोलनरत पक्षों से सम्मानजनक संवाद शुरू करने तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

हर जिले में होगी मॉडल किसान पाठशाला : हेमंत सोरेन

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों और 2026-27 की कार्य योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे। इस बैठक में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रत्येक जिले में कम से कम एक मॉडल किसान पाठशाला विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक और तकनीक आधारित खेती का प्रशिक्षण दिया जाए तथा कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों के सहयोग से नवीन कृषि तकनीकों का प्रसार किया जाए। वर्तमान में संचालित किसान पाठशालाओं को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।

दलहन और मिलेट की खेती को मिलेगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री ने कम वर्षा वाले क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए दलहन और मिलेट की खेती को बढ़ावा देने की रणनीति तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में इन फसलों की अच्छी संभावनाएं हैं, वहां किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही बंजर और परती कृषि योग्य भूमि की पहचान कर उसे खेती के दायरे में लाने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

किसान समृद्धि योजना और सोलर पंप पर विशेष जोर

इस बैठक में मुख्यमंत्री ने किसान समृद्धि योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई पंप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे खेती की लागत कम होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और बिजली पर निर्भरता भी घटेगी। इसके लिए जरेडा के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया।

कम बारिश वाले इलाकों के लिए अलग कार्ययोजना : राज्य में सामान्य से कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने विशेष रणनीति बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने खासकर पलामू प्रमंडल और अन्य कम वर्षा वाले जिलों में कम पानी वाली फसलों, जल

संरक्षण, जैविक खेती और व्यावसायिक कृषि को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही कृषि क्षेत्र में मजबूत प्रोक्योरमेंट सिस्टम विकसित करने की बात कही।

कृषि व्यापार मेलों का होगा विस्तार : रांची में आयोजित राज्यस्तरीय कृषि व्यापार मेले की तर्ज पर अब सभी प्रमंडलों में अलग-अलग समय पर कृषि व्यापार मेला आयोजित करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री का मानना है कि इससे किसानों को नई तकनीक, बाजार और आधुनिक कृषि उपकरणों की जानकारी मिलेगी।

मशरूम, मधुमक्खी पालन और महिला समूहों पर फोकस

मुख्यमंत्री ने मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने तथा महिलाओं को जोड़कर महिला किसान उत्पादक समूह बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने मधुमक्खी पालन को भी प्रोत्साहित करने और इससे जुड़े किसानों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

हर जिले में विकसित होगा कृषि मॉडल गांव : मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में एक गांव या पंचायत का चयन कर उसे कृषि मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। मिट्टी जांच, सिंचाई, प्रशिक्षण और कृषि योजनाओं का समग्र लाभ देकर इसे पायलट परियोजना के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एक ही किसान को बार-बार लाभ देने के बजाय अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजनाओं से जोड़ा जाए।

पशुपालन को बनाया जाएगा आय का मजबूत आधार : पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन, बकरी, सूकर और कुक्कुट पालन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं के नियमित टीकाकरण, आधुनिक पशु चिकित्सा सेवाओं और ब्रिडिंग फार्मों की स्थिति सुधारने पर जोर दिया। खनन प्रभावित क्षेत्रों में पशुपालन आधारित आजीविका मॉडल विकसित करने और केंद्रीय कारागारों में डेयरी फार्म की अवधारणा लागू करने का भी सुझाव दिया।

दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन पर भी जोर : मुख्यमंत्री ने राज्य में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुपालकों का डाटाबेस तैयार कर उन्हें मिल्क फेडरेशन से जोड़ने तथा प्रमंडल स्तर पर पशु मेलों के आयोजन के निर्देश दिए। साथ ही मत्स्य पालन को ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा माध्यम बताते हुए इस क्षेत्र को और सशक्त बनाने पर बल दिया।

तकनीक आधारित खेती और बाजार से जोड़ने की तैयारी : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को मौसम आधारित सलाह, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि तकनीक, फसल विविधीकरण और बेहतर बाजार व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने सभी योजनाओं की जिला और प्रखंड स्तर पर नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

लैम्प्स और पैक्स को अधिक सक्रिय बनाने के निर्देश : सहकारिता क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने लैम्प्स और पैक्स को अधिक सक्रिय बनाने, किसानों से कृषि उत्पाद की खरीद, भुगतान की पारदर्शी व्यवस्था और बीज वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने शीर्ष सहकारी समितियों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की भी बात कही।

किसानों और अधिकारियों से की बातचीत : समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गढ़वा की किसान पाठशाला, दुमका के किसान सुरेश मरांडी और जामताड़ा के कृषि अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने खेती की मौजूदा स्थिति, सरकारी योजनाओं के लाभ और काजू की खेती की संभावनाओं की जानकारी ली तथा कम वर्षा की परिस्थितियों के अनुरूप फसल चयन करने की सलाह दी।

छात्रों ने डोरंडा कॉलेज के गेट को किया जाम

रांची : रांची विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था के खिलाफ आज डोरंडा कॉलेज के छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। अपनी चार प्रमुख मांगों को लेकर छात्रों ने कॉलेज के मुख्य गेट के सामने सड़क जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया. सड़क पर बैठकर छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, जिससे कुछ देर तक यातायात भी बाधित रहा. प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने स्पष्ट कहा कि विश्वविद्यालय की नीतियों और लापरवाही का सीधा असर उनके भविष्य पर पड़ रहा है. छात्रों का पहला आरोप कॉलेजों में सीटों की भारी कमी को लेकर था. उनका कहना है कि हर वर्ष हजारों विद्यार्थी नामांकन से वंचित रह जाते हैं, लेकिन विश्वविद्यालय सीट बढ़ाने के बजाय चुप्पी साधे हुए है. इससे मेधावी छात्रों का भविष्य अधर में लटक रहा है.

विश्वविद्यालय पर छात्रों का आरोप : नई शिक्षा नीति (ठएढ) को लेकर भी छात्रों ने विश्वविद्यालय को घेरा. उनका कहना है कि बिना पर्याप्त तैयारी और व्यवस्था के ठएढ लागू कर दी गई, जिससे पढ़ाई, परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरह उलझ गई है. छात्रों के मुताबिक, विश्वविद्यालय खुद नीति को सही तरीके से नहीं समझ पाया और उसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है.

एसआइआर को सफल बनाने में सामुदायिक सहभागिता जरूरी : तुषार कांति शीट

रांची। शहर के जाने-माने समाजसेवी व श्रीरामकृष्ण सेवा संघ के सहायक सचिव तुषार कांति शीट ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के प्रति मतदाताओं को जागरूक होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की नींव वोट है और वोट की शुद्धता के लिए सही मतदाता सूची जरूरी है। इसी उद्देश्य से चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में मतदाता सूची का घर-घर जाकर गहन सत्यापन कराया जा रहा है। इसमें बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) हर घर जाकर मतदाता सूची में नाम, पता, उम्र और फोटो की जांच करते हैं। इसमें मतदाताओं को सहयोग करने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि साधारण पुनरीक्षण में सिर्फ ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदन लिए जाते हैं, लेकिन एसआईआर में फिजिकल वेरिफिकेशन जरूरी होता है। एसआईआर का उद्देश्य एक व्यक्ति का नाम दो जगह न हो, मृत मतदाताओं का नाम हटाया जा सके,ताकि फर्जी वोटिंग रुके, स्थानांतरित लोगों का नाम जोड़ना/हटाना,जो लोग नए आए या चले गए।

18 वर्ष से अधिक आयु के नए युवाओं को जोड़ना, हर योग्य नागरिक का नाम सूची में हो, गलत जानकारी सुधारना, नाम, उम्र, लिंग, फोटो में त्रुटि ठीक करना है।

श्री शीट ने कहा कि इससे निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित चुनाव संभव होते हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि एसआईआर के दौरान जब बीएलओ आपके घर आएं तो फॉर्म जरूर भरें, सत्यापन फॉर्म में जानकारी दें,

आवश्यक दस्तावेज साथ रखें, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पता प्रमाण,नए 18+ युवा फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाएं, स्थान बदलने पर फॉर्म-8ए से पता अपडेट करवाएं, मृत/स्थानांतरित लोगों की सूचना दें, ताकि उनका नाम हटाया जा सके।

उन्होंने कहा कि एसआईआर के लिए किसी को पैसे नहीं देने हैं। ये पूरी तरह मुफ्त है।

अफवाहों पर ध्यान न दें। सिर्फ चुनाव आयोग की आधिकारिक सूचना मानें।

अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद दावा-आपत्ति का समय भी मिलता है। उन्होंने कहा कि एक वोट तय करता है कि सरकार किसकी बनेगी। लेकिन वो वोट तभी मायने रखेगा जब आपका नाम सही सूची में होगा। एसआईआर सिर्फ कागजी काम नहीं, लोकतंत्र को मजबूत करने का अभियान है।

इसलिए जब बीएलओ आएं तो सहयोग करें। उन्होंने मतदाताओं से एसआइ आर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

उद्योग सचिव ने भारत टेक्स 2026 में विभिन्न राज्यों के पवेलियनों का भ्रमण किया अवलोकन

राज्य सरकार का उद्देश्य पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ना : अरवा राजकमल

नई दिल्ली/रांची : राज्य सरकार का उद्देश्य पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ना तथा स्थानीय कारीगरों और एमएसएमई इकाइयों के लिए नए व्यापारिक अवसर सुनिश्चित करना है। भारत टेक्स जैसे आयोजन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उक्त बातें उद्योग सचिव श्री अरवा राजकमल ने नई दिल्ली ,भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 के समापन दिवस पर झारखंड पवेलियन का भ्रमण करने के दौरान कहीं। उन्होंने झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित राज्य के जीआई टैग प्राप्त उत्पादों, तसर सिल्क, हस्तकरघा एवं जनजातीय हस्तशिल्प का अवलोकन किया एवं उनकी सराहना की ।

झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित तसर सिल्क राज्य के हजारों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवार का गौरव

वैश्विक टेक्सटाइल आयोजन में झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित तसर सिल्क से निर्मित परिधान, स्टोल, स्कार्फ और गृह सज्जा उत्पादों को विशेष सराहना मिली। झारखंड देश के प्रमुख तसर उत्पादक राज्यों में शामिल है और राज्य के हजारों ग्रामीण एवं आदिवासी परिवार इस उद्योग से जुड़े हैं। राज्य सरकार जीआई टैग उत्पादों, तसर, बांस आधारित उद्यमों और जनजातीय कला को राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों को बेहतर बाजार एवं आजीविका के अवसर मिल रहे हैं ।

भारत टेक्स 2026 जैसे वैश्विक मंच ने झारखंड के एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों, बुनकरों और महिला उद्यमियों के लिए नए व्यापारिक संपर्क स्थापित करने तथा निर्यात संभावनाओं को विस्तार देने का अवसर उपलब्ध कराया

भारत टेक्स 2026 में 120 से अधिक देशों के खरीदारों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन में हजारों प्रदर्शकों ने टेक्सटाइल, परिधान और हस्तशिल्प क्षेत्र की नवीनतम उत्पाद श्रृंखला का प्रदर्शन किया। इस वैश्विक मंच ने झारखंड के एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों, बुनकरों और महिला उद्यमियों के लिए नए व्यापारिक संपर्क स्थापित करने तथा निर्यात संभावनाओं को विस्तार देने का अवसर उपलब्ध कराया।

स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों के लिए नए व्यापारिक अवसरों की संभावनाओं को मिली मजबूती झारखंड पवेलियन ने भारत टेक्स 2026 में राज्य की पारंपरिक शिल्प एवं वस्त्र विरासत को वैश्विक खरीदारों के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों के लिए नए व्यापारिक अवसरों की संभावनाओं को मजबूत किया।

शिक्षा के साथ संस्कार, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास जरूरी : कल्पना सोरेन

विद्यार्थियों की प्रतिभा और सांस्कृतिक प्रस्तुति की सराहना

संवाददाता

रांची : दिल्ली पब्लिक स्कूलके 37वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक समारोह ह्यकीर्ति ध्वज - बैनर ऑफ ग्लोरी : ए सेलिब्रेशन ऑफ प्राइड, पर्पस एंड पावरह्ण में झारखंड विधानसभा की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। विवेकानंद सभागार में आयोजित इस समारोह में उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की।

कल्पना सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि कला, संस्कृति और शिक्षा का समन्वय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि डीपीएस रांची के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं के माध्यम से भारत की समृद्ध परंपरा और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

उन्होंने विद्यालय के 37 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के लिए प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की सफलता केवल शैक्षणिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, सृजनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने से तय होती है।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे बड़े सपने देखें, निरंतर सीखते रहें और जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए मेहनत करते रहें। उन्होंने युवाओं से संवेदनशील, ईमानदार और जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।

समारोह की शुरूआत विद्यार्थियों के स्वागत गान से हुई। इसके बाद ह्यरूट्स इन रिद्म : लोक सुरों की अनुगूंजह्ण, गणेश वंदना और ह्यअकथित वीरांगनाएं झ इकोज ऑफ साइलेंट पिलर्सह्ण जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नृत्य-नाटिका के माध्यम से भारतीय इतिहास की वीरांगनाओं के त्याग, साहस और योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ। जया चौहान ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उन्हें शॉल, पौधा और स्मृति-चिह्न भेंट किया। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में रांची के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षाविद, अभिभावक, पूर्व छात्र, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। एनसीसी कैडेट्स ने अतिथियों का पारंपरिक एवं अनुशासित तरीके से स्वागत किया। समारोह का समापन विद्यार्थियों द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ।

आज रांची शहर के कई इलाकों में नहीं रहेगी बिजली

रांची : रांची शहर के बड़े इलाके में शनिवार को बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। इस दौरान मरम्मत कार्य होगा। आइटीआई पावर सब स्टेशन में दोपहर 12 से दोपहर दो बजे तक मरम्मत कार्य होगा। इसके कारण पंचशील नगर, शहदेव नगर, पंडरा, बनहोरा, काजू बगान सहित अन्य इलाके प्रभावित रहेंगे। आरडीएसएस कार्य के तहत एलटी लाइन लगाने का कार्य होगा। इसके कारण सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक सुभाष चौक, कोकर बाजार का इलाका प्रभावित रहेगा। राजभवन सब स्टेशन के 33 केवी हॉकी फीडर से जोड़ने का कार्य होगा। इसके कारण 11 केवी न्यू मोरहाबादी, 33 केवी मोरहाबादी फीडर, 33 केवी हॉकी फीडर से सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक बिजली बंद रहेगी। इससे न्यू मोरहाबादी, सराई टाड़, अंतु चौक, टैगौर हिल रोड, मोरहाबादी के आसपास का इलाका प्रभावित रहेगा।

नगर निगम की जमीनों से हटेगा अतिक्रमण

रांची : रांची नगर निगम की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और जनहित में उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपर नगर आयुक्त संजय कुमार ने शुक्रवार को विभिन्न वार्डों में निगम स्वामित्व एवं सरकारी भूमि का निरीक्षण किया। इस दौरान भू-संपदा शाखा और अभियंत्रण शाखा के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में वार्ड संख्या-22 स्थित अमन कम्युनिटी हॉल के समीप निगम की करीब 34 डिसमिल भूमि का जायजा लिया गया। जांच में पाया गया कि उक्त भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ियां बनाकर निवास किया जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर नगर आयुक्त ने अधिकारियों को इस भूमि के इन-सिटू विकास का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि भूमि का योजनाबद्ध और जनहितकारी उपयोग किया जा सके। इसके बाद वार्ड संख्या-22 स्थित छोटा तालाब क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। तालाब के समीप मार्ग पर अतिक्रमण पाए जाने पर अपर नगर आयुक्त ने नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम को शीघ्र अभियान चलाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या-04 के चिरौंदी स्थित ओल्ड एज होम के समीप लगभग एक एकड़ जीएम खास भूमि का भी जायजा लिया गया। उन्होंने अभियंत्रण शाखा को निर्देश दिया कि स्थानीय नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस भूमि पर जनउपयोगी विकास योजना तैयार की जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

देवघर में होगी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्य समिति बैठक

रांची : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र 2025-27 की तृतीय एकदिवसीय कार्य समिति की बैठक 19 जुलाई को देवघर में आयोजित की जाएगी। बैठक का आयोजन देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में जैन मंदिर परिसर में होगा। बैठक की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

बैठक में पिछली कार्य समिति की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, संगठन की गतिविधियों से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा अंकेक्षित आय-व्यय का अनुमोदन किया जाएगा। इसके अलावा सम्मेलन के संविधान संशोधन से जुड़े प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श कर निर्णय लिए जाएंगे। सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष अपने अनुभव और मार्गदर्शन से कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाएंगे। वहीं विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में चल रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा कार्यों की जानकारी साझा करेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और मजबूत बनाना, सेवा कार्यों का विस्तार करना तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना है। सम्मेलन के पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में रांची से 20 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे, जबकि राज्य के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक प्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना है।

जगन्नाथपुर रथ मेला में झारखंडी लोक संस्कृति की छटा, कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

रांची : ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला, धुर्वा रांची में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड सरकार की ओर से आयोजित 10 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के दूसरे दिन कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेला-प्रदर्शनी मंच पर कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे सांस्कृतिक कला मंच, चान्हो के कलाकारों ने मनोज महतो के नेतृत्व में गणेश वंदना के साथ किया। इसके बाद कलाकारों ने गीत, नृत्य और नशा उन्मूलन पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सामाजिक संदेश दिया। कार्यक्रम में बिहारी महतो एवं कला सागर के कलाकारों ने आकर्षक मानभूम छऊ नृत्य की प्रस्तुति दी, वहीं सोमरा लोहरा सीसीबी सुसुन पार्टी, नामकुम के कलाकारों ने मनमोहक गीत और नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से झारखंड की समृद्ध लोक कला, परंपरा और संस्कृति को मंच प्रदान किया जा रहा है। बड़ी संख्या में मेला देखने पहुंचे लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

गुमशुदा महिला फुलमनी सुरीन, उम्र–करीब 51 वर्ष, पे0–जोन सुरीन, सा0–बड़केतुंगा पहानटोली, थाना–कोलेबिरा, जिला–सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड, गुम हो गई है। गुमशुदा महिला की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है–

हुलिया की विवरणी :–

लिंग :– स्त्री।
उम्र :– 51 वर्ष।
रंग :– सांवला।
ऊँचाई :– 05 फीट 02 ईंच।
भाषा :– सादरी एवं हिन्दी।
बाल :– काला एवं लम्बा।
पहनावा :– साड़ी एवं चुड़ी।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त गुमशुदा महिला के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, कोलेबिरा – मोबाइल नं0–9431706235
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0 – मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक
सिमडेगा

PR 385138 Simdega (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अन्न से ऊर्जा तक आत्मनिर्भर भारत की नई क्रांति का नाम है ई-20

भारतीय इतिहास के सबसे कठिन अध्यायों में वर्ष 1965-66 का वह दौर गिना जाता है, जब देश की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही थी, किंतु खेतों की पैदावार उतनी नहीं थी कि हर नागरिक का पेट भर सके। भारत को अमेरिका से पीएल-480 (ढछ-480) योजना के तहत गेहूं आयात करना पड़ता था। विदेशी जहाजों पर आने वाले अनाज का इंतजार करना उस समय की मजबूरी थी। तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यही भारत कुछ दशकों बाद दुनिया के सबसे बड़े खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल होगा और कई देशों को अनाज निर्यात भी करेगा। अब प्रश्न यह है कि क्या यह परिवर्तन किसी चमत्कार से आया ? निश्चित ही नहीं, चमस्कार नहीं श्रम एवं वैज्ञानिक परिश्रम से अवश्य आया था। इसके पीछे वर्षों तक चले वैज्ञानिक अनुसंधान, दूरदर्शी नीतियां, किसानों का परिश्रम रहा है। आज भारत एक बार फिर उसी प्रकार के परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चुनौती भोजन की न होकर ऊर्जा जरूरतों की है। फिलहाल देश का जो परिदृष्य है, वह पहले कभी खाद्यान्न के लिए विदेशों पर निर्भर रहने के समान ही मौजूद है। आज भी अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करना पड़ रहा है। यही कारण है कि जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, उसका सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार और आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। ऐसे समय में ई20 अर्थात 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कहना होगा कि एक नया ईंधन भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की उस लंबी यात्रा का प्रारंभिक चरण है, जो आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को बदल सकता है। दुर्भाग्य यह है कि जिस पहल को उसके व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ में समझा जाना चाहिए, वह सोशल मीडिया पर फैली अधूरी जानकारियों और भ्रामक दावों के कारण विवाद का विषय बनती जा रही है। भारतीय विकास यात्रा का इतिहास बताता है कि लगभग हर बड़े परिवर्तन का प्रारंभ संदेह और विरोध के बीच हुआ। जब हरित क्रांति शुरू हुई, तब भी अनेक विशेषज्ञों ने आशंका जताई थी कि नई किस्म के बीज और रासायनिक उर्वरक भारतीय खेती को नुकसान पहुंचाएंगे। जब श्वेत क्रांति की शुरूआत हुई तो यह कहा गया कि गांवों में संगठित दुग्ध उत्पादन संभव नहीं होगा। डिजिटल भुगतान प्रणाली आई तो अनेक लोगों ने इसे अव्यावहारिक बताया। आज यही भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल भुगतान नेटवर्क का संचालन कर रहा है। इसी प्रकार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर भी अनेक आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। कोई इसे पुराने वाहनों के लिए नुकसानदायक बता रहा है, कोई इसे इंजन खराब करने वाला ईंधन कह रहा है, तो कोई इसे केवल सरकारी प्रयोग बताकर खारिज करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन यदि तथ्यों और वैज्ञानिक अध्ययनों पर नजर डालें तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है। अक्सर ऐसा प्रचार किया जाता है कि भारत ने अचानक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का निर्णय ले लिया, जबकि वास्तविकता यह है कि इस दिशा में काम वर्ष 2001 में ही शुरू हो गया था। सबसे पहले सीमित स्तर पर एथेनॉल मिश्रण का परीक्षण किया गया। वर्ष 2004 में इसे औपचारिक कार्यक्रम का स्वरूप मिला और 2006 तक कई राज्यों में पांच प्रतिशत मिश्रण वाला ईंधन उपलब्ध कराया जाने लगा,

उसके बाद भी सरकार ने जल्दबाजी नहीं दिखाई। लगभग दो दशकों तक उत्पादन क्षमता बढ़ाने, वैज्ञानिक परीक्षण करने, ऑटोमोबाइल कंपनियों से परामर्श लेने, नई डिस्टिलरियां स्थापित करने और किसानों को एथेनॉल उत्पादन से जोड़ने की दिशा में लगातार काम किया गया। वर्ष 2018 की राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और 2021 में जारी ई20 रोडमैप इस पूरी प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पड़ाव बने। यानी जिस निर्णय को आज लोग अचानक लागू हुई नीति समझ रहे हैं, उसके पीछे लगभग पच्चीस वर्षों की तैयारी, हजारों करोड़ रुपये का निवेश और हजारों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, कृषि विशेषज्ञों तथा उद्योग जगत का साझा प्रयास है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उद्योग बढ़ रहे हैं, वाहन बढ़ रहे हैं, सड़कें बढ़ रही हैं और ऊर्जा की मांग भी लगातार बढ़ रही है, किंतु इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है, वह है कच्चे तेल का आयात। देश अपनी आवश्यकता का अधिकांश कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि पश्चिम एशिया में युद्ध हो, वैश्विक आपूर्ति बाधित हो या अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ जाएं, उसका सीधा असर भारत पर पड़ता है। यही कारण है कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता आज राष्ट्रीय सुरक्षा का भी विषय बन चुकी है। यहीं से ई20 जैसी पहल का महत्व बढ़ जाता है। यदि पेट्रोल का 20 प्रतिशत हिस्सा भारत के खेतों से उत्पादित एथेनॉल से पूरा होने लगे तो विदेशी तेल पर निर्भरता धीरे-धीरे कम होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, किसानों को नया बाजार मिलेगा और ऊर्जा आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा देश के भीतर ही तैयार होगा।

वास्तव में इस बात के लिए सभी को खुश होना चाहिए कि भारत के किसान दशकों से देश का पेट भरते आए हैं। अब पहली बार उन्हें ऊर्जा अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण भागीदार बनाया जा रहा है। गन्ने के साथ-साथ मक्का, चावल और अन्य कृषि आधारित स्त्रोतों से बनने वाला एथेनॉल किसानों की आय का नया माध्यम बन रहा है। यह परिवर्तन ग्रामीण भारत को देश की ऊर्जा सुरक्षा से जोड़ने का प्रयास है। जिस प्रकार हरित क्रांति ने किसानों को खाद्यान्न उत्पादन का नायक बनाया था, उसी प्रकार एथेनॉल मिशन उन्हें ऊर्जा उत्पादन का भी सहभागी बना रहा है। आज सूचना का सबसे बड़ा स्त्रोत सोशल मीडिया बन गया है, किंतु यही सबसे बड़ा भ्रम भी पैदा कर सकता है। किसी एक व्यक्ति का व्यक्तिगत अनुभव पूरे देश की वास्तविकता नहीं हो सकता। सार्वजनिक नीति का मूल्यांकन वैज्ञानिक परीक्षणों, संस्थागत अध्ययनों और व्यापक आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। ई20 को लेकर भी यही दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। इसे किसी राजनीतिक बहस या सोशल मीडिया ट्रेंड के रूप में देखने के बजाय भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा नीति के रूप में समझना होगा। जिस प्रकार हरित क्रांति के परिणाम एक-दो वर्ष में नहीं दिखाई दिए थे, उसी प्रकार ऊर्जा आत्मनिर्भरता की यह यात्रा भी धैर्य, वैज्ञानिक सोच और निरंतर निवेश की मांग करती है।

ई20 को लेकर सबसे बड़ी आशंका यही व्यक्त की जाती है कि इससे पुराने वाहनों के इंजन खराब हो जाएंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो और संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं जिनमें दावा किया जाता है कि एथेनॉल इंजन, रबर पाइप और फ्यूल सिस्टम को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन जब इन दावों की तुलना वैज्ञानिक परीक्षणों और वास्तविक आंकड़ों से की जाती है तो तस्वीर अलग दिखाई देती है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार ई20 लागू करने से पहले 40 हजार किलोमीटर से अधिक व्यापक परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों में इंजन की कार्यक्षमता, रबर पार्ट्स, फ्यूल लाइन, धातु पर जंग, उत्सर्जन, ईंधन दक्षता और टिकाऊपन जैसे सभी पहलुओं की जांच की गई। परीक्षणों में ऑटोमोबाइल उद्योग, अनुसंधान संस्थानों तथा तेल कंपनियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। इतना ही नहीं, करोड़ों वाहनों की सर्विसिंग के दौरान भी ई20 के कारण इंजन खराब होने या बड़े स्तर पर तकनीकी समस्या के प्रमाण नहीं मिले। यदि वास्तव में यह ईंधन व्यापक रूप से नुकसानदायक होता तो वाहन कंपनियों के पास लाखों वारंटी क्लेम आते और पूरे ऑटोमोबाइल उद्योग में गंभीर संकट खड़ा हो जाता।

उत्तर प्रदेश, चुनाव और हिंदुत्व

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी तीखे तेवर अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि सनातन और हिंदुत्व की पिच उनकी अपनी है और यहां कोई उनको दबाव में नहीं ले सकता। योगी कहते हैं कि सपा ने हनुमानगढ़ी में हनुमान चालीसा पढ़वाने का पाप किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन और हिंदुत्व को लेकर अत्यंत आक्रामक हैं। वो अखिलेश और सपा के पापों का पिटारा खोलकर हिंदू समाज को सावधान कर रहे हैं।

मृत्युंजय दीक्षित

अयोध्या में श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद की आड़ में सभी रामद्रोही, श्रीराम को काल्पनिक मानने वाले, रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाले, श्रीराम जन्मभूमि पर अस्पताल और शौचालय बनवाने की बात करने वाले रामभक्त होने का स्वांग रच रहे हैं और सोच रहे हैं कि ऐसा कर-के वो 2027 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मात दे देंगे। समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव, ज्योतिषपीठाधीश्वर तथाकथित शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से आशीर्वाद लेकर गो संरक्षण, सनातन परंपराओं, सामाजिक सरोकारों व समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा कर रहे हैं। सरस्वती से मिलने के बाद सपा मुखिया आक्रामक हैं और कहते हैं कि जो लोग भाजपा के साथ हैं वह रामघाती हैं। सपा मुखिया अपने ही जाल में फंसते दिख रहे हैं।अखिलेश इस बार अपने आपको सनातनी दिखाने के लिए पत्नी सहित बड़े मंगल भंडारों में गए और हनुमान चालीसा का पाठ करते दिखाई दिए। यह उनके लिए दो नावों की सवारी जैसा है क्योंकि मुस्लिम तुष्टिकरण अभी भी उनकी प्रमुख रणनीति है। सपा मुखिया श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रति मौन हो जाते हैं, क्योंकि इससे मुस्लिम वोट बैंक छिटकने का डर है । उनका सनातन प्रेम हिंदू समाज को बांटने की राजनीति ही है और इससे उनको अपना राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करना है। सपा मुखिया अखिलेश यादव और उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने हिंदुओं की आस्था के साथ इतने अधिक घृणित पाप किए हैं कि वह तथाकथित शंकराचार्य के चरणों में बैठकर भी नहीं धुलेंगे। अभी चुनाव रैलियां शुरू होने में समय है इसलिए अखिलेश यादव राम मंदिर में चढ़ावा कांड से लेकर बद्रीनाथ धाम और मां बगलामुखी मंदिर से प्राप्त समाचारों को हवा देकर भाजपा को दबाव मे लेना चाहते हैं । उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी तीखे तेवर अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि सनातन और हिंदुत्व की पिच उनकी अपनी है और यहां कोई उनको दबाव में नहीं ले सकता। योगी कहते हैं कि सपा ने हनुमानगढ़ी में हनुमान चालीसा पढ़वाने का पाप किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन और हिंदुत्व को लेकर अत्यंत आक्रामक हैं। वो अखिलेश और सपा के पापों का पिटारा खोलकर हिंदू समाज को सावधान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या की जनसभा में कहा कि समाज के प्रत्येक तबके ने श्री रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए आंदोलन और संघर्ष किया जबकि सपा और कांग्रेस के लोगों ने मंदिर निर्माण में बाधाएं खड़ी कीं। जो लोग आज आस्था की बात करते हैं याद करिए इन लोगों ने हमारे पवित्र हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का काम किया था। आप कल्पना कीजिए कि क्या कोई जामा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ कर पाएगा। क्या इनकी सरकारें करवा पाएंगी ?अगर नहीं तो अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों करवाया ?

योगी ने जनमानस को याद दिलाया कि लंबे समय तक अयोध्या अविकसित रही। पिछड़ी रही। सड़क, बिजली, पानी के लिए तरसती रही। अयोध्या आने वाले श्रद्धालु मां सरयू का आशीर्वाद नहीं ले पाते थे। अयोध्या की जनसभा में उन्होंने नगर पंचायत खिरौनी का नामकरण मां ज्वाला जी के नाम से जबकि भदरसा को भरत नगर करने की घोषणा की। अयोध्या से योगी ने सपा व अन्य कालनेमियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब उन्हें, उन्हीं की भाषा में उत्तर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री का मानना है कि सपा व कांग्रेस को हिंदुओं की कोई चिंता नहीं है। ये पहला हक मुस्लिमों को देना चाहती हैं।

दरअसल चढ़ावा विवाद के बाद सपा व कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन के दल इसमें अपने लिए अवसर खोज रहे हैं जबकि उनके पूर्व कर्म इतने हिंदू द्रोही रहे हैं कि वह अपने ही जाल में फंस जाते हैं। जब उत्तर प्रदेश सहित भाजपा शासित अन्य राज्य सरकारें गोवध व तस्करी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहती हैं। इस पर यह लोग हल्ला मचाने लगते हैं। कोर्ट चले जाते हैं। वहीं आजकल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ मिलकर ये गौ माता की सुरक्षा व संरक्षा के प्रति चिंता जता रहे हैं। गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं। विडंबना यह है की इन्हीं शंकराचार्य ने यूपी में बूचड़खानों के बंद होने का विरोध किया था। यदि शंकराचार्य व सपाइयों को गौ माता की वास्तविक चिंता है तो वह अपनी यात्रा दक्षिण भारत में क्यों नहीं निकालते, जहां सबसे अधिक गोवध हो रहा है । भाजपा सरकार आने से पहले जब बंगाल से गोवध की वीभत्स तस्वीरें आ रही थी तब यह शंकराचार्य और सपाई क्यों नहीं बोले थे ? शंकराचार्य को यदि गौ संरक्षण करना है तो उन्हें पंजाब और झारखंड में भी अपनी यात्रा निकालनी चाहिए और बूचड़खानों की बंदी का स्वागत करना चाहिए।

वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर योगी कहते हैं कि सनातन आस्था पर प्रहार कर रहे इन दोनों दलों की खामोशी से गिरगिट भी शर्मशार हो जाएगा। वक्फ के नाम पर प्रदेश में हजारों हेक्टेयर जमीन बेची गई। वह सवाल करते हैं कि क्या उस पर सपा और कांग्रेस एक बार भी बोली? अभी जो सपा व कांग्रेस के लोग स्वयं को सनातनी साबित करने की होड़ मचाए हुए हैं, क्या यह लोग आगामी दिनों में कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा करेंगे? विकृत मानसिकता वाले तथाकथित सेक्युलर दल कभी सनातनी बन जाते हैं कभी अच्छे हिंदू और बुरे हिंदू का विचार लेकर आ जाते हैं । वो कहते हैं कि जब अहमदाबाद उच्च न्यायालय ने 38 आतंकियों को फांसी की सजा सुनाई तब सपा ,कांग्रेस व ओवैसी को वह फैसला रास नहीं आया । जब दक्षिण भारत के राजनीतिक दल विशेषकर तमिलनाडु से स्टालिन परिवार की ओर से हिंदू सनातन समाज की तुलना डेंगू व मलेरिया आदि बताकर उनके उन्मूलन की बात की जाती है तब इन लोगों के मुंह में ताला लग जाता है।

ऐसा लग रहा है कि हिंदू आस्था का अपमान करते-करते सपा पीडीए की राजनीति से भी दूर होती चली जा रही है। वास्तविकता यह है कि बंगाल में हिंदुत्व के उभार और ममता की पराजय के बाद से सपा नेता बुरी तरह से घबरा गए हैं। विपक्ष को 2027 में ममता दीदी से बहुत आस थी वह आस ध्वस्त हो चुकी है। अब ममता की पार्टी भी कंगाल हो चुकी है। यही कारण है कि अब सपा मुखिया अखिलेश यादव सनातनी चोला पहनकर अपनी चुनावी नैया पार लगाने की जुगत में हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

देश में विकसित संस्कृति के विकास से बढ़ा आयकर का दायरा

यह व्यवहार आर्थिक अनुशासन का परिचायक है और विकसित देशों की कर संस्कृति से मेल खाता है। साथ ही भारत सरकार के उन प्रयासों को भी दशार्ता है, जिसमें कि भारत में पिछले एक दशक के दौरान कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए व्यापक सुधार किए गए हैं। ई-फाइलिंग पोर्टल, प्री-फिल्ड रिटर्न, आधार-पैन एकीकरण, ऑनलाइन सत्यापन, फेसलेस असेसमेंट और त्वरित रिफंड जैसी व्यवस्थाओं ने करदाताओं की कठिनाइयों को काफी कम किया है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

किसी भी विकसित अर्थव्यवस्था की पहचान उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या उद्योगों की वृद्धि के साथ ही इस बात से भी होती है कि उसके नागरिक आर्थिक रूप से कितने जागरूक, जिम्मेदार और अनुशासित हैं। आज भारत में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की लगातार बढ़ती संख्या इसी सकारात्मक परिवर्तन की ओर संकेत कर रही है। निश्चित ही भारतीय जनसंख्या का यह कदम देश में विकसित होती वित्तीय संस्कृति, बढ़ती कर-अनुपालन की भावना और औपचारिक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते समाज का प्रतिबिंब है।

आयकर विभाग द्वारा आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1.7 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल होने की जानकारी इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है, जिसमेंकि एक ही दिन में 10 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए हैं। यह व्यवहार आर्थिक अनुशासन का परिचायक है और विकसित देशों की कर संस्कृति से मेल खाता है। साथ ही भारत सरकार के उन प्रयासों को भी दशार्ता है, जिसमें कि भारत में पिछले एक दशक के दौरान कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए व्यापक सुधार किए गए हैं। ई-फाइलिंग पोर्टल, प्री-फिल्ड रिटर्न, आधार-पैन एकीकरण, ऑनलाइन सत्यापन, फेसलेस असेसमेंट और त्वरित रिफंड जैसी व्यवस्थाओं ने करदाताओं की कठिनाइयों को काफी कम किया है। अब आईटीआर दाखिल करना पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक हो गया है। यही कारण है कि पहले जो लोग आयकर प्रक्रिया से दूरी बनाए रखते थे, वे भी अब औपचारिक कर व्यवस्था का हिस्सा बन रहे हैं।

वस्तुतः आज भारत सरकार द्वारा नए आईटीआर फॉर्म में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ, शेयर बायबैक से होने वाले नुकसान और कुछ प्रकार के ट्रेडिंग लेनदेन के संबंध में अतिरिक्त जानकारी अनिवार्य किए जाने से यह भी स्पष्ट होता है कि सरकार कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। इससे कर चोरी की संभावनाएं कम होंगी और ईमानदार करदाताओं के लिए व्यवस्था अधिक विश्वसनीय बनेगी। कहना होगा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या में वृद्धि का सीधा प्रभाव प्रत्यक्ष कर संग्रह पर भी दिखाई दे रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 की प्रारंभिक अवधि में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में 14.64 प्रतिशत और सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 12.46 प्रतिशत की वृद्धि यह बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था का औपचारिक दायरा लगातार विस्तृत हो रहा है। प्रत्यक्ष कर किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे स्वस्थ राजस्व स्त्रोत माने जाते हैं, क्योंकि वे आय और लाभ पर आधारित होते हैं तथा आर्थिक गतिविधियों की वास्तविक स्थिति को भी प्रतिबिंबित करते हैं। यह परिवर्तन वस्तुतः इस बात का भी प्रमाण है कि भारतीय समाज में वित्तीय साक्षरता भी तेजी से बढ़ी है। डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई, ऑनलाइन निवेश, म्यूचुअल फंड, बीमा, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली और पूंजी बाजार में बढ़ती भागीदारी ने नागरिकों को अपनी आय और निवेश का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखने के लिए प्रेरित किया है। आज युवाओं के लिए आयकर रिटर्न भरना केवल कर भुगतान का माध्यम नहीं, बल्कि उनकी वित्तीय पहचान का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है। बैंक ऋण, गृह ऋण, शिक्षा ऋण, वीजा, सरकारी निविदाओं तथा अनेक वित्तीय प्रक्रियाओं में आईटीआर की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि अनेक ऐसे लोग भी नियमित रूप से रिटर्न दाखिल कर रहे हैं, जिनकी कर देनदारी सीमित या शून्य है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), डिजिटल भुगतान प्रणाली, जनधन-आधार-मोबाइल (जैम) ढांचा, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), औपचारिक रोजगार में वृद्धि और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार ने भी कर आधार को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नकदी आधारित लेनदेन की जगह डिजिटल भुगतान के बढ़ते उपयोग से आर्थिक गतिविधियों का दस्तावेजीकरण मजबूत हुआ है, जिससे कर प्रशासन अधिक प्रभावी बना है।

इस बढ़त के कारण से देश का राजस्व मजबूत हुआ है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि इसका सीधा संबंध देश के विकास से है। सरकार को जितना अधिक प्रत्यक्ष कर प्राप्त होगा, उतनी ही अधिक क्षमता उसके पास आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा, रेलवे, सड़क, सिंचाई, डिजिटल नेटवर्क और सामाजिक कल्याण की योजनाओं में निवेश करने की होगी। करदाता और विकास के बीच यह संबंध जितना मजबूत होगा, राष्ट्र की आर्थिक प्रगति भी उतनी ही स्थायी होगी।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तेज आर्थिक विकास के साथ ही जिम्मेदार नागरिक, व्यापक कर आधार और स्वैच्छिक कर अनुपालन भी आवश्यक है। इस दृष्टि से 1.7 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न का समय से पहले दाखिल होना आज भारत की बदलती राष्ट्रीय मानसिकता का संकेत है। यह बताता है कि भारत का नागरिक अब आर्थिक अधिकारों के साथ-साथ अपने आर्थिक दायित्वों के प्रति भी पहले से अधिक सजग हो रहा है। अब कहना यही होगा कि आयकर का बढ़ता दायरा भारत की बढ़ती आय, विस्तृत होती औपचारिक अर्थव्यवस्था, तकनीक आधारित सुशासन और आर्थिक शिक्षा के प्रसार का सम्मिलित परिणाम है। यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जहां कर भुगतान राष्ट्र निर्माण में साझेदारी के रूप में देखा जाने लगा है। यदि यही प्रवृत्ति आगे भी बनी रही तो आने वाले वर्षों में भारत न केवल दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा।

88 हजार ब्राह्मणों के भोजन समान पुण्य, जानें

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। हर साल आषाढ़ माह की कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को योगिनी एकादशी का व्रत किया जाता है। इस बार आज यानी की 10 जुलाई को योगिनी एकादशी का व्रत किया जा रहा है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन श्रीहरि विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। योगिनी एकादशी के व्रत का पुण्य 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर माना जाता है। तो आइए जानते हैं योगिनी एकादशी की तिथि, मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

वैदिक पंचांग के मुताबिक योगिनी एकादशी तिथि की शुरूआत 09 जुलाई की रात 09:31 मिनट से हो रही है। वहीं इसकी समाप्ति 10 जुलाई की रात 10:11 मिनट पर हो रही है। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से योगिनी एकादशी का व्रत 10 जुलाई 2026 को किया जा रहा है।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें। इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। फिर व्रत का संकल्प लें और घर के मंदिर को गंगाजल से पवित्र करें। फिर पूजा स्थल पर पीले कपड़े बिछाकर भगवान विष्णु की प्रतिमा का स्थापित करें। भगवान को पीले रंग के फूल, चंदन, अक्षत, फल और भोग आदि अर्पित करें। पूजा में तुलसी दल जरूर शामिल करें।
समयऔर कैलेंडर

एकादशी को तुलसी पत्ते नहीं तोड़े जाते हैं, इसलिए एक दिन पहले इसको तोड़कर रख दें। पूजा के दौरान घी का दीपक जलाएं और योगिनी एकादशी व्रत का पाठ करें। इसके बाद विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें और आरती करें। वहीं पूजा के अंत में हुई भूलचूक के लिए क्षमायाचना करें।

मंत्र

ॐ श्री विष्णवे नमः
ॐ श्री परमात्मने नमः
ॐ श्री विराट पुरुषाय नमः
ॐ श्री क्षेत्र क्षेत्राज्ञाय नमः
ॐ श्री केशवाय नमः
ॐ श्री पुरुषोत्तमाय नमः
ॐ श्री ईश्वराय नमः
ॐ श्री हृषीकेशाय नमः
ॐ श्री पद्मनाभाय नमः

टिप्स

बरसात में भूलकर भी न खाएं ये चीजें,

मानसून के दौरान सेहत और आहार का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि माना जाता है कि इस मौसम में जठराग्नि धीमी पड़ने से पाचन कमजोर हो जाता है। इसलिए कहा जाता है कि बरसात के समय हल्का, ताजा और सुपाच्य व पेय लेने की सलाह दी जाती है।
मानसून के समय व्यक्ति को किस तरह की लाइफस्टाइल को फॉलो करना चाहिए, आपको बताते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि इस दौरान शरीर की पाचन शक्ति अर्थात जठराग्नि कमजोर हो जाती है। वातावरण में नमी, बादल, दूषित जल तथा तापमान में अचानक परिवर्तन के कारण भी वात दोष बढ़ने की प्रवृत्ति रहती है। इस मौसम में उचित आहार और संतुलित जीवनशैली को जरुर फॉलो करें।

जल्दी पचने वाला भोजन करें

बरसात के समय हल्का और सुपाच्य भोजन ही करें, तो बेहतर है। जैसे कि पुराने अनाज, गेहूं, जौ, पुराने चावल, मूंग दाल, लौकी, शहद और गुड़। हल्के खट्टे, मीठे और नमकीन स्वाद वाली चीजें लाभकारी मानी जाती हैं। वहीं, मसालों में सेंधा नमक, काली मिर्च, दालचीनी और अदरक का सेवन काफी लाभदायक माना जाता है। हल्दी और हींग पाचन सहायक मसालों को इस्तेमाल सीमित मात्रा में करें। जिन लोगों को भूख कम लगती है, वे भोजन से पहले अदरक के छोटे टुकड़े के साथ थोड़ा सेंधा नमक ले सकते हैं, बशर्ते उन्हें अम्ल पित्त, जलन या हेल्थ से संबंधित कोई समस्या न हो।

इन चीजों से करें परहेज

बरसात के मौसम में पाचन तंत्र अक्सर कमजोर हो जाता है, इसलिए कच्चे खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित रखना बेहतर माना जाता है। सलाद, अंकुरित अनाज (स्प्राउट्स) और बिना पकी सब्जियों से बचना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

8 स्वर्ण सहित 14 पदकों पर कब्जा, आठ खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन

26वीं झारखंड राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ग्रिजली विद्यालय का दमदार प्रदर्शन

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के खिलाड़ियों ने लोहरदगा में आयोजित 26वीं झारखंड राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिपझ2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम पूरे राज्य में गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 5 रजत एवं 1 कांस्य सहित कुल 14 पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही सभी आठ स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया। स्वर्ण पदक

विजेताओं में अंश कुमार, आर्यन राज, दिव्यांश साही, कृष, अवि वर्मा, मानस सागर (सब. जूनियर पूमसे), शिवनंदन प्रसाद गुप्ता (सब. जूनियर पूमसे) तथा शौर्य आनंद (सब. जूनियर पूमसे) शामिल हैं। रजत पदक विजेताओं में आदर्श कुमार सिंह, खादिम किशोर, कुशल गुप्ता, उत्कर्ष आनंद तथा अभिजीत कुमार शर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं मोहम्मद रयान अली ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे विद्यालय के कोच दिलीप कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके कुशल मार्गदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण एवं निरंतर प्रयासों से खिलाड़ियों ने यह शानदार उपलब्धि हासिल की।

इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, कोच एवं टीम मैनेजर को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय स्तर पर भी ग्रिजली विद्यालय के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, झारखंड और देश का नाम गौरवान्वित करेंगे। विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि उनके समर्पण, नियमित अभ्यास तथा प्रशिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन का प्रतिफल है और यह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक द्वय मनीष कपिसमे एवं अविनाश सेठ, सीओओ तनिष्क सेठ, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, बनानी नियोगी, स्टूडेंट्स सर्विस सेल संयोजक सुधांशु कुमार, सीसीए संयोजक प्रीति जगनानी तथा स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर प्रीतम हरि ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, उनके कोच दिलीप कुमार एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भी चयनित खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से ग्रिजली विद्यालय, कोडरमा जिले एवं झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध अद्यतन व त्रुटिरहित बनाना है : सदानंद

संवाददाता

साहिबगंज:भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 अभियान को लेकर शुक्रवार को साहिबगंज सदर प्रखंड सभागार में बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता राजमहल एसडीओ सदानंद महतो ने की।इस अवसर पर सदर अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू,वालंटियर व निर्वाचन कार्य से जुड़े कर्मी अभिषेक शर्मा उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए एसडीओ सदानंद महतो ने कहा कि एसआईआर 2026 का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन व त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को होने वाली समीक्षा बैठक में पुनरीक्षण कार्यों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके लिए सभी बीएलओ सुपरवाइजर एवं वालंटियरों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर त्रुटिरहित कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।बैठक वालंटियरों को प्रपत्र सही तरीके से भरने आवश्यक दस्तावेजों की जांच करने और मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।एसडीओ ने सभी अधिकारियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से एसआईआर-2026 अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की।

परीक्षा केंद्रों में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतः प्रतिबंधित : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंजःझारखंड कर्मचारी चयन आयोग , रांची द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा 2024 के सफल निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता मे समाहरणालय सभागार में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस पदाधिकारी दंडाधिकारी परीक्षा पर्यवेक्षक परीक्षा केंद्राधीक्षक तथा संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं शुचिता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि

परीक्षा का संचालन पूर्णतः नियमानुसार, शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ वातावरण में सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। रविवार को जिले के 11 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा तीन पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली में प्रातः 8:30 बजे से 10:30 बजे तक, द्वितीय पाली में पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक तथा तृतीय पाली में अपराह्न 3:30 बजे से 5:30 बजे तक परीक्षा संपन्न होगी। परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक प्रशासनिक व सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत 25 परीक्षा पर्यवेक्षक ऑब्जर्वर 14 स्टैटिक दंडाधिकारी 11 गश्ती दंडाधिकारी (पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट 4 उड़नदस्ता दल तथा 2 स्ट्रांग रूम दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। ताकि प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर सतत निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। परीक्षा में कदाचार, अनुचित साधनों के प्रयोग, छल, षड्यंत्र अथवा किसी भी प्रकार की अवैध सहायता प्रदान करने वालों के विरुद्ध झारखंड प्रतियोगी परीक्षा भर्ती व अनुचित साधनों के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए उपाय अधिनियम 2023 के तहत कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं परीक्षा केंद्राधीक्षकों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय, सतर्कता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए परीक्षा को पूर्णतः शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराना सुनिश्चित करें ।

बालिकाओं के समग्र सशक्तिकरण की दिशा में साहिबगंज का प्रभावी कदम

संवाददाता

साहिबगंजः जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के मार्गदर्शन में सकरीगली, तालझारी में किशोरियों के समग्र विकास व सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को उनके अधिकारों शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।इस अवसर पर सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना डायन प्रथा उन्मूलन डिजिटल साक्षरता बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम, गुड टचझबैड टचुमासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बाल विवाह मुक्त भारत व सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई

जाने वाली सहायता एवं सेवाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह की रोकथामक्षमहिलाओं व बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में कानूनी एवं संस्थागत सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया से भी छात्राओं को अवगत कराया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सजग एवं जागरूक रहने का संदेश दिया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं ह्लएक पेड़ बेटी के नामह्व अभियान के अंतर्गत किशोरियों द्वारा पौधारोपण कराया गया। साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया।कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मो. खालिद संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख चंदा कुमारीक्षपरियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन मो. इकबाल, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शिक्षकगण संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।सभी अधिकारियों ने छात्राओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने आत्मविश्वास के साथ अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने सामाजिक कुरीतियों का विरोध करने तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर आत्मनिर्भर व सशक्त नागरिक बनने का आह्वान किया।

चोरी की घटना में पूर्व में संलिप्त रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें : एसपी

संवाददाता

साहिबगंजःपुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय सभागार में शुक्रवार को अपराध नियंत्रण गोष्ठी हुई। अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने की।उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने व अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए।उन्होंने असमाजिक तत्वों को चिन्हित करने शांति व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाने बाइक की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करने चौक चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों व बाजारों में मटरगश्ती करने वालों से सख्ती से निपटने,हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करें जिसमें चोरी की घटना में पूर्व में संलिप्त रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें और थाना में लंबित कांडों का जल्द से जल्द अनुसंधान

कर निष्पादन करने लाल वारंटियों को गिरफ्तार के साथ सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलायें, अवैध लॉटरी शराब जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसने का निर्देश दिया।मौके पर डीएसपी रविकांत सभी एसडीपीओ, नगर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता,मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह,रिवर थाना प्रभारी लव कुमार सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

विदेशी शराब के साथ तीन युवकों को आरपीएफ ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंजः इन दिनों शराब की लगातार गरफ्तारी होने के बावजूद भी अपना तस्करी नहीं छोड़ रहे हैं एक दिन बाद एक दिन या एक सप्ताह के बद

शराब के साथ कोई नहीं कोई पकड़ा ही जाता है। बरहरवा आरपीएफ की सतर्कता से तस्कर को तस्करी करने पर लगातार रोक रही है और गिरफ्तारी भी की गई है। इस संदर्भ में आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में एक सघन जांच अभियान चलाया गया अभियान के दौरान आनंद विहार एक्सप्रेस के निर्धारित आगमन समय पर आरपीएफ इं अभियान आरपीएफ पोस्ट बरहरवा की टीम जिसमें एएसआई अजय कुमार हांसदा कांस्टेबल जितेन्द्र प्रसाद यादव कांस्टेबल अनिल कुमार साह व कांस्टेबल मुकेश कुमार शामिल थे । जिसमें सीपीडीएस टीम मालदा के एचसी मोहम्मद शमीम खान व कांस्टेबल राजा यादव के साथ संयुक्त रूप से संचालित किया गया।तलाशी

अभियान के दौरान जब छापामार दल प्लेटफार्म संख्या एक स्थित आरपीएफ कार्यालय के निकट पहुँचा तब तीन व्यक्ति तीन पिट्ठू बैग लेकर ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते हुए संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। उनकी गतिविधियाँ संदिग्ध प्रतीत होने पर उन्हें रोककर उनके बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में निम्नलिखित सामग्री बरामद हुई जिसमें सुमन कुमार के कब्जे से एक काले रंग के बैग में रखे हुए 78 पाउच ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की 180 एमएल प्रत्येक कुल 14,040 एमएल140 रुपया प्रति पाउच कुल मूल्य 10,920 रुपया बरामद हुए हैं। जबकि रौशन कुमार के कब्जे से 80 पाउच ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की 180 एमएल प्रत्येक कुल 14,400 एमएल 140 रुपया प्रति पाउच कुल मूल्य 11,200 रुपए एक नीले एवं काले रंग के बैग से बरामद हुए।02 बोतल मास्टर ब्लेंडर्स सिग्नेचर प्रीमियर ग्रेन व्हिस्की 750 एमएल प्रत्येक, कुल 1,500 एमएल1,020 रुपया प्रति बोतल कुल मूल्य 2,040 रुपया एक हरे रंग के हैंड बैग से बरामद हुई।जब पूछताछ के दौरान तीनों व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि बरामद बैग उन्हीं के हैं। परन्तु वे उक्त विदेशी शराब के परिवहन अथवा स्वामित्व संबंधी कोई वैध लाइसेंस परमिट अथवा प्राधिकार प्रस्तुत नहीं कर सके और स्वेच्छा से अपने अपराध में संलिप्त होने की बात स्वीकार की। जबकि उन्होंने अपना परिचय निम्न प्रकार बताया की सुमन कुमार उम्र लगभग 20 वर्ष पिता पवन पासवान निवासी लक्ष्मीपुर थाना सूर्यगढ़ा जिला लखीसराय बिहार। रौशन कुमार उम्र लगभग 22 वर्ष पिता दिलीप चौधरी निवासी सुभाष नगर 3 नं. गुमटी मुंगेर थाना कोतवाली जिला मुंगेर, बिहार।प्रवीण कुमार उम्र लगभग 20 वर्ष पिता मनोज यादव निवासी गढ़ी बिशनपुर डाकघर किऊल थाना व जिला लखीसराय बिहार। उन्होंने यह भी बताया कि वे बरहरवा रेलवे स्टेशन से उक्त शराब लेकर जमालपुर रेलवे स्टेशन जा रहे थे तथा मुंगेर क्षेत्र में अवैध बिक्री कर व्यक्तिगत लाभ अर्जित करना चाहते थे।उक्त बरामद विदेशी शराब को आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा श्री संजीव कुमार द्वारा घटनास्थल पर उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए जब्त किया गया। तत्पश्चात तीनों अभियुक्तों को उनके विरुद्ध गिरफ्तारी के आधार पर उनके विधिक अधिकारों की जानकारी देते हुए समस्त वैधानिक औपचारिकताओं का पालन करते हुए विधिवत गिरफ्तार किया गया। इसके उपरांत गिरफ्तार अभियुक्तों व जब्त विदेशी शराब को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु आबकारी विभाग साहिबगंज को सूचित किया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

महिला और बच्चे के साथ मारपीट, छह लोगों पर केस दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के बालू ग्राम स्थित सत्तार टोला में एक महिला और उसके बच्चे के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर राधानगर थाना में छह लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़िता हालेमा बीबी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि वह अपने घर के समीप बैठी हुई थीं। इसी दौरान पड़ोस की अनारोश बीबी वहां पहुंची और कथित रूप से उनके बच्चे को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि बच्चा नाजायज है और इसी कारण उनके पति ने उन्हें तलाक दिया है। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। आरोप है कि इसके बाद अनारोश बीबी, नूर खातून, हारू शेख, सगीरा बीबी, रोमफुल बीबी तथा कबीरा खातून एकजुट होकर पीड़िता के घर पहुंचे और महिला व उसके बच्चे के साथ मारपीट की। पीड़िता का यह भी आरोप है कि मारपीट के दौरान अनारोश बीबी ने उनके कान की बाली भी छीन ली। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद मामला शांत हुआ। इस संबंध में राधानगर थाना में कांड संख्या 253/26 के तहत सभी नामजद आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक पर जानलेवा हमला, जेवरात व मोबाइल छीनने का आरोप

राधानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज घायल का मालदा में चल रहा इलाज

साहिबगंज/ उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी प्राणपुर स्थित कोयेशटोला निवासी सफीक शेख ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए दो लोगों पर उसके भाई के साथ मारपीट, जानलेवा हमला, सोने के आभूषण और मोबाइल छीन लेने का आरोप लगाया है। इस मामले में राधानगर थाना कांड संख्या 251/26 दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। 15 जुलाई को दिन के करीब 11 बजे पश्चिमी प्राणपुर के मुमताज टोला निवासी राहुल शेख और इसोफ शेख आपस में विवाद कर रहे थे। इसी दौरान शिकायतकर्ता का भाई नईम शेख, जो रुपये की आवश्यकता के कारण करीब तीन भरी सोने की माला गिरवी रखने के लिए प्राणपुर हाटपाड़ा स्थित सोनार के पास जा रहा था। दोनों को झगड़ा नहीं करने की सलाह देने लगा। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर राहुल शेख और इसोफ शेख ने नईम शेख के साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसे और लाठियों से मारपीट शुरू कर दी। शिकायत में कहा गया है कि इसोफ शेख ने गमछे से गला कसकर जान से मारने की कोशिश की जबकि राहुल शेख ने लोहे की रॉड से सिर पर वार किया। जिससे नईम शेख गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में उसके सिर और कान में गंभीर चोटें आईं वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने नईम शेख के पास मौजूद करीब तीन भरी सोने के आभूषण तथा 45 हजार रुपये मूल्य का मोबाइल फोन भी छीन लिया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया। वर्तमान में उसका इलाज पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपित लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामले में राधानगर थाना पुलिस ने कांड संख्या 251/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर मारपीट व छेड़खानी का आरोप, थाने में शिकायत

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण पियारपुर निवासी राहेला बीबी ने थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर घर में घुसकर मारपीट, छेड़खानी और लाखों रुपये की नकदी व जेवरात लूट लेने का आरोप लगाया है। घटना 12 जुलाई की शाम की है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अकुनबोना गांव निवासी अरबाज शेख, शाहरूक शेख, अनवर शेख, करबल्ला निवासी सुमा बीबी तथा 5-6 अन्य लोग हथियारों से लैस होकर जबरन उनके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी ने गाली-गलौज करते हुए उनके पति के बारे में पूछताछ की और जान से मारने की धमकी दी। पति के घर पर नहीं होने की जानकारी देने पर आरोपितों ने उनके साथ तथा घर की महिलाओं के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार और छेड़खानी की। विरोध करने पर लात, घूंसे और लाठियों से मारपीट की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इस दौरान उनके गले से करीब दो भर का सोने का हार छीन लिया गया।इसके अलावा आरोप है कि आरोपितों ने घर के अंदर रखे बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे लगभग 3.40 लाख रुपये नकद तथा करीब 10 मरी चांदी भी निकालकर ले गए। शिकायतकर्ता का कहना है कि भय के कारण वह तत्काल शोर नहीं मचा सकीं। बाद में जब आरोपित सामान लेकर जाने लगे तो उनके शोर मचाने पर ग्रामीण जुटने लगे, जिसे देखकर सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने दावा किया है कि घटना के प्रत्यक्षदर्शी गवाह मौजूद हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर घटना की पुष्टि करेंगे। मामले को लेकर पुलिस ने कांड संख्या 250/26 दर्ज कर छानबीन कर रही है।

दहेज प्रताड़ना व मारपीट का आरोप, पति समेत पांच लोगों पर केस दर्ज

साहिबगंज/उधवा :राधानगर थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट, जान से मारने की कोशिश सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए राधानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र के उत्तर पियारपुर की पीड़िता यासमीन खातून ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि उसकी शादी एक साल पूर्व को मुस्लिम रीति-रिवाज से सौकत टोला, प्राणपुर निवासी इमरान खान के साथ हुई थी। विवाह में मायके पक्ष द्वारा लाखों के दहेज दिया था।आरोप है कि शादी के कुछ माह बाद पति, सास, ससुर एवं अन्य परिजनों ने अतिरिक्त चार लाख रुपये दहेज की मांग शुरू कर दी और शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता का कहना है कि उसके पिता ने सामाजिक स्तर पर समझौते के प्रयास के दौरान दो लाख रुपये भी दिए, लेकिन इसके बावजूद प्रताड़ना बंद नहीं हुई और अतिरिक्त दो लाख रुपये की मांग जारी रही। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है। कि ससुराल पक्ष ने कई बार उसकी हत्या का प्रयास किया आत्महत्या के लिए उकसाया तथा गैस खुला छोड़ने और धारदार हथियार से हमला करने जैसी घटनाएं भी हुईं। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है। कि मार्च 2026 में पति उसे पश्चिम बंगाल के बोलपुर ले गया, जहां उसे पति के किसी अन्य महिला से पहले से संबंध और विवाह की जानकारी मिली। विरोध करने पर ससुराल लौटने के बाद प्रताड़ना और बढ़ गई।30 मार्च 2026 को उसके साथ मारपीट किया गया।पुलिस ने आवेदन के आधार पर राधानगर थाना कांड संख्या 249/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण

साहिबगंज :सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को झारखंड सरकार की उन्नति का पहिया योजना के तहत कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंच लाधिकारी बासुकीनाथ टुडू एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी शशि कुमार राय ने पात्र विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित कीं।इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के आठ विद्यालयों के कुल 250 विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की गई।शशि कुमार राय ने बताया कि 2026-2027 योजना के तहत सदर प्रखंड में 1,916 विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित है,जिसमें अब तक 600 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की जा चुकी है।उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना,उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ाना तथा शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है।साइकिल मिलने से विद्यार्थियों का समय बचेगा,आवागमन सुगम होगा और वे नियमित रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे।कार्यक्रम में संबंधित विद्यालयों के शिक्षक अभिभावक एवं प्रखंड प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

फीफा विश्व कप फाइनल से पहले मेसी ने की यामल की तारीफ, कहा-

वह कुछ ऐतिहासिक कर सकता है

एजेंसी

न्यूयॉर्क : फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल की खुलकर सराहना की। मेसी ने कहा कि यामल एक असाधारण खिलाड़ी हैं और भविष्य में इतिहास रचने की क्षमता रखते हैं। हालांकि उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी कहा कि फाइनल में वह ऐसा नहीं होने देना चाहेंगे। फाइनल की पूर्व संध्या पर फीफा ने न्यूयॉर्क के हडसन नदी के किनारे स्थित जैविट्स सेंटर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मेसी, अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज, स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते और कप्तान रोद्री ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर रियो फर्डिनेंड और हास्य कलाकार केविन हार्ट ने किया, जबकि टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच, एनएफएल दिग्गज टॉम ब्रैडी और एनबीए स्टार केविन ड्यूरेंट ने खिलाड़ियों से बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान टॉम ब्रैडी ने वह चर्चित तस्वीर याद दिलाई, जिसमें 20 वर्षीय मेसी एक चैरिटी फोटोशूट के दौरान बच्चे लामिन यामल को नहलाते हुए दिखाई दिए थे। इस पर मेसी ने कहा, ₹लामिन वास्तव में शानदार खिलाड़ी है। मैं उसे काफी समय से देख रहा हूं क्योंकि वह उस क्लब के लिए खेलता है, जिससे मुझे बेहद लगाव है। उसके पास इतिहास रचने का मौका है। हम कोशिश करेंगे कि इस बार ऐसा न हो। उन्होंने मुस्कुराते हुए आगे कहा, ₹हम अच्छा मुकाबला खेलना चाहेंगे, लेकिन उम्मीद है कि वह और उनकी टीम अच्छा प्रदर्शन न करें।

मेसी पर रहेगी 'विशेष नजर', लेकिन मैन-मार्किंग नहीं करेंगे : स्पेनिश कोच फुएंते

एजेंसी

न्यूयॉर्क : फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा है कि उनकी टीम अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी पर विशेष नजर रखेगी, लेकिन उन्हें रोकने के लिए मैन-मार्किंग की रणनीति नहीं अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अपने अनुभव से वह जानते हैं कि मेसी जैसे खिलाड़ी को पूरे मैच में एक खिलाड़ी के भरोसे रोकना लगभग असंभव है। शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डे ला फुएंते ने कहा, ₹मेरा मेसी से पहला सामना तब हुआ था, जब मैं सेविला की युवा टीम का कोच था। हम बार्सिलोना खेलने गए थे और मैंने एक युवा खिलाड़ी मेसी के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था।

उन्होंने आगे कहा, ₹हमने एक खिलाड़ी को उनकी मैन-मार्किंग की

जिम्मेदारी दी थी, लेकिन 70वें मिनट में मुझे उस खिलाड़ी को बदलना पड़ा क्योंकि उसे पीला कार्ड मिल चुका था। उस समय स्कोर 0-0 था, लेकिन अगले 15 मिनट में मेसी ने हमारे खिलाफ चार गोल कर दिए। उन्होंने स्पष्ट किया, ₹इसलिए इस बार हम मैन-मार्किंग नहीं करेंगे। हमें पूरे समय सतर्क रहना होगा और निश्चित रूप से मेसी पर विशेष ध्यान देना होगा। 39 वर्षीय मेसी की जमकर तारीफ करते हुए स्पेन के कोच ने कहा, ₹मेसी अपने आप में अनोखे खिलाड़ी हैं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए अपने व्यवहार और खेल भावना के कारण प्रेरणा हैं। खासकर जिस तरह का विश्व कप वह इस उम्र में खेल रहे हैं, वह वास्तव में शानदार है। फाइनल में स्पेन के कोच का मुकाबला अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी से भी होगा। दोनों की दोस्ती वर्ष 2017 में हुई थी, जब स्कालोनी प्रोफेशनल कोचिंग लाइसेंस की पढ़ाई कर रहे थे और डे ला फुएंते उनके प्रशिक्षक थे। अर्जेंटीना के खेल को लेकर पूछे गए सवाल पर डे ला फुएंते ने कहा, ₹ओह, नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं ऐसा कहने की कभी हिम्मत नहीं करूंगा। मुझे अर्जेंटीना की इस टीम के लिए बेहद सम्मान है। उन्होंने कहा, ₹उन्होंने विश्व कप जीता है, दो कोपा अमेरिका खिताब जीते हैं, फाइनलिसिमा जीती है और टीम की कमान मेरे करीबी मित्र स्कालोनी के हाथों में है। मेरे मन में उनके लिए सिर्फ सम्मान है, और सम्मान ही है।₹उन्होंने आगे कहा, ₹मेरा मानना है कि स्पेन और अर्जेंटीना दोनों ऐसी रणनीति के साथ मैदान में उतरेंगे, जहां प्रतिभा और बेहतरीन फुटबॉल सबसे ऊपर होगी। विश्व कप फाइनल में होने वाले विशेष हाफ टाइम शो के कारण मध्यांतर सामान्य 15 मिनट की बजाय लगभग 30 मिनट का होगा। इस पर डे ला फुएंते ने कहा, ₹मुझे लगता है कि जो चीजें आज हमें असामान्य लगती हैं।

ब्रायन लारा ने सर गारफील्ड सोबर्स को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें वेस्टइंडीज का ₹सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी₹ बताया। लारा ने कहा कि सोबर्स की विरासत को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए अपने संदेश में लारा ने लिखा, ₹हमारे सबसे महान खिलाड़ी हमें छोड़कर चले गए। उनके परिवार के हर सदस्य के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, जिन्होंने हर मुश्किल समय में उनका साथ दिया और उन्हें वह ताकत दी, जिसकी उन्हें सबसे अधिक जरूरत थी। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस बेहद कठिन समय में उनके परिवार को शांति और संबल मिले। शांतिपूर्वक विश्राम करें, महान खिलाड़ी। आपकी विरासत को कभी भुलाया नहीं जाएगा। क्रिकेट इतिहास के महानतम ऑलराउंडरों में थे सोबर्स

सर गारफील्ड सोबर्स ने 1954 से 1974 के बीच वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक शामिल रहे। गेंदबाजी में भी उन्होंने 235 विकेट अपने नाम किए। बाएं हाथ के शानदार बल्लेबाज होने के साथ-साथ सोबर्स तेज गेंदबाजी, बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स स्पिन और चिनामैन स्पिन, तीनों में माहिर थे। इसके अलावा उनकी फील्डिंग भी असाधारण थी, जिसके कारण उन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे संपूर्ण खिलाड़ियों में गिना जाता है।

सोबर्स ने 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 365 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी। यह उस समय टेस्ट क्रिकेट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर था और यह रिकॉर्ड 36 वर्षों तक कायम रहा।

पहली बार एक्शन हीरो का दिखेगा जॉम्बी-कॉमेडी अवतार

टाइगर श्रॉफ-शनाया कपूर की पर्दे पर दिखेगी जोड़ी

टाइगर श्रॉफ और शनाया कपूर पहली बार जॉम्बी-कॉमेडी फिल्म में साथ नजर आएंगे। अहमद खान ने फिल्म कन्फर्म की है, जो मल्टीस्टारर होगी।

एक्टर टाइगर श्रॉफ पिछले कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर स्ट्रगल कर रहे हैं। उनकी फिल्मों को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली, लेकिन इसके बावजूद उनके पास बड़े बैनर की फिल्मों की कमी नहीं है। इन दिनों वह करण जौहर के बैनर तले बन रही फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच निर्देशक अहमद खान ने पुष्टि कर दी है कि वह टाइगर श्रॉफ और शनाया कपूर को लेकर एक नई जॉम्बी-कॉमेडी फिल्म बनाने जा रहे हैं।

अहमद खान ने क्या कहा?

बातचीत में अहमद खान ने फिल्म की पुष्टि करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह फाइनल हो चुका है। उन्होंने बताया, 'हां, फिल्म बन रही है। हमने इसका फोटोशूट भी पूरा कर लिया है। अब बाकी कलाकारों को फाइनल करना है। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म होगी और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी।' उन्होंने बताया कि टाइगर श्रॉफ और शनाया कपूर की जोड़ी पर्दे पर दिखेगी।

मुझे महिलाएं पसंद हैं

मुझे किसी के साथ इंटिमेट नहीं होना

लॉक अप 2 के हालिया एपिसोड में आकांक्षा चमोला ने एक बड़ा दावा किया। कुछ दिन पहले ही उन्होंने खुद को बाईसेक्शुअल बताया था। अब उन्होंने दावा किया है कि वह एसेक्सुअल हैं। वरुण यादव से बात करते हुए आकांक्षा ने कहा कि गौरव खन्ना से तलाक के बाद वह दोबारा शादी नहीं करना चाहतीं और उन्हें किसी के साथ यौन संबंध बनाने की इच्छा नहीं होती। दिलचस्प बात यह है कि यह सब तब हुआ जब श्रेया कालरा ने आकांक्षा की दूसरी 'लाइफलाइन' का खुलासा किया और बताया कि एक्ट्रेस बाइसेक्शुअल हैं। आकांक्षा ने भी इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'श्रेया ने ऐसा इसलिए सोचा क्योंकि मैं सभी के साथ खूब मस्ती करती हूं। मैंने खुद कभी उन्हें नहीं बताया कि मैं बाइसेक्शुअल हूं, लेकिन यह मेरे सीक्रेट्स में से एक है। शादी से पहले मैं बाइसेक्शुअल थी। लड़कियों के साथ मेरे कुछ रिश्ते रहे हैं। हालांकि उनमें कोई इंटिमेसी नहीं थी, लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में रही हूं। मुझे महिलाएं पसंद हैं। यह मेरे लिए एक सेफ स्पेस है। यह दुनिया काफी हद तक पुरुषों के दबदबे वाली है, इसलिए महिलाओं के साथ एक कम्फर्ट जोन बन जाता है। मुझे वह फेमिनिन एनर्जी पसंद है। मैं उसी से आगे बढ़ती हूं। ऐसे समाज में जहां लोग सोचते हैं कि लड़कियां हमेशा एक-दूसरे से मुकाबला करती हैं और जलती हैं, मैं इससे सहमत नहीं हूं। मुझे लगता है कि इस गेम में पहले दिन से सिर्फ मेरा ही पर्दाफाश हो रहा है।

मेरा अलग फेज चल रहा है

आकांक्षा ने कहा, 'मुझे डर बैठ गया है। कामुकता बदलती रहती है। आप के फेज के ऊपर होता है। मेरा अभी तलाक हो रहा है। मुझे अभी किसी के साथ संबंध नहीं बनाने। लड़कियों के साथ भी नहीं चाहिए, आदमियों के साथ भी नहीं चाहिए। मेरा अलग फेज चल रहा है, इसे एसेक्सुअल कहा जाता है।'

अयोध्या के बाद

रणबीर कपूर ने अब इस शहर में खरीदी जमीन?

आगामी फिल्मों 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' की रिलीज से पहले रणबीर कपूर प्रॉपर्टी खरीदने में लगातार निवेश कर रहे हैं। कुछ माह पहले उन्होंने अयोध्या में जमीन खरीदी थी। अब उन्होंने पुणे में प्लॉट खरीदे हैं। अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म इसी साल रिलीज होगी। इस फिल्म के प्रमोशन और तैयारियों के बीच एक्टर पुणे में प्रॉपर्टी खरीदने को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर कपूर ने हाल ही में पुणे के पास मुल्शी तालुका के एक गांव में जमीन खरीदी है।

कितने करोड़ की हुई डील?

रणबीर कपूर ने कुछ महीनों पहले अयोध्या के एक लग्जरी प्रोजेक्ट में जमीन खरीदी थी। अब उन्होंने फिर रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश करते हुए पुणे में जमीन ली है। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के दस्तावेजों के अनुसार, अयोध्या में एक प्रॉपर्टी में निवेश करने के कुछ महीनों बाद रणबीर कपूर ने पुणे के मुल्शी तालुका में लगभग 25.7 एकड़ जमीन 16.42 करोड़ रुपये में खरीदकर अपने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो को और बढ़ाया है।

रणबीर कपूर ने चार प्लॉट खरीदे

रणबीर कपूर ने पुणे में एक या दो नहीं, बल्कि चार प्लॉट खरीदे हैं। 30 अप्रैल 2026 को रजिस्टर हुए इस सौदे में पिंपरी गांव में जमीन के चार सटे हुए हिस्से शामिल हैं। कागजात के मुताबिक, सबसे बड़ा हिस्सा, जो 43,800 वर्ग मीटर का है, 7.07 करोड़ रुपये में खरीदा गया। 29,900 वर्ग मीटर का दूसरा प्लॉट 4.62 करोड़ रुपये में खरीदा गया, जबकि 21,400 वर्ग मीटर का एक और प्लॉट 3.31 करोड़ रुपये में लिया गया। चौथा और सबसे छोटा हिस्सा, जो 8,900 वर्ग मीटर का है। इसे 1.39 करोड़ रुपये में खरीदा गया।

'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने पर ट्रोल हुई आलिया

यूजर्स बोले- गलत कास्टिंग

'तुम्बाड 2' के मेकर्स ने सोशल मीडिया पोस्ट करके बताया कि फिल्म में आलिया भट्ट भी एक अहम किरदार निभाएंगी। फिल्म में आलिया की कास्टिंग सोशल मीडिया यूजर्स को पंसद नहीं आई, इस वजह से एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बाद फिल्म 'तुम्बाड 2' से आलिया भट्ट भी जुड़ गई हैं। इस हॉरर-थ्रिलर फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म से जुड़कर आलिया भट्ट भी काफी खुश हैं।

लेकिन पहली फिल्म 'तुम्बाड' को पसंद करने वाले फैंस दूसरे पार्ट में आलिया की कास्टिंग से नाराज नजर आ रहे हैं। वह मेकर्स के डिसीजन को गलत बता रहे हैं। जानिए, ऐसा नजरिया सोशल मीडिया यूजर्स का क्यों है? एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'फिल्म 'तुंबाड' अपनी कहानी कहने के अंदाज, विजन और उन कलाकारों के जबरदस्त काम की वजह से एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिन्हें बॉलीवुड के बड़े कैंप्स का सपोर्ट नहीं था।

आलिया को क्यों बताया गलत कास्टिंग?

सोशल मीडिया यूजर्स ने आलिया भट्ट को 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने पर कई वजहों से ट्रोल किया है। एक यूजर ने 'तुम्बाड 2' की आलिया वाली पोस्ट पर कमेंट लिखा, 'आलिया से 'तुंबाड 2' को बचाओ।

सारा अर्जुन का ग्लैमरस ट्रांसफॉर्मेशन देख फैंस हुए हैरान

'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की एक्ट्रेस सारा अर्जुन का नया मैगजीन फोटोशूट सोशल मीडिया पर छा गया है। स्टाइलिश क्रीम आउटफिट और ग्लैमरस लुक की खूब चर्चा हो रही है।

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी से यालिना बन सुर्खियों में आईं एक्ट्रेस सारा अर्जुन एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर चर्चा में हैं। मैगजीन कवर के लिए कराया गया उनका नया ग्लैमरस शूट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। क्रीम कलर के स्टाइलिश आउटफिट, दमकती त्वचा और आत्मविश्वास से भरे एक्सप्रेशन ने फैंस का ध्यान खींच लिया है। मिनिमल स्टाइलिंग और एलिगेंट पोज़ के साथ सारा ने एक बार फिर साबित किया कि वह फैशन और ग्लैमर दोनों में अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

किसानों की समृद्धि से ही विकसित होगा देश-प्रदेश : सीएम भजनलाल

एजेंसी

डेगाना/जयपुर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान का जीवन संघर्ष, परिश्रम और धैर्य का प्रतीक है। विपरीत परिस्थितियों और प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद किसान हर बार नई उम्मीद के साथ खेत में उतरता है। ऐसे में किसानों को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना ही देश और प्रदेश के समग्र विकास का सबसे मजबूत आधार है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव हुए हैं और किसान कल्याण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया गया है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र के तिलानेश गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में किसानों, पशुपालकों और युवाओं से संवाद कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और किसानों से प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक एवं नवाचार अपनाकर उत्पादन और आय बढ़ाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने किसान हितों को मजबूती देने का कार्य किया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं ने ग्रामीण भारत और कृषि क्षेत्र को नई दिशा दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए किसानों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली अनेक योजनाएं लागू की हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण संसाधन, वित्तीय सहायता और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराना है, ताकि कृषि को आने वाली पीढ़ियां भी सम्मानजनक और लाभदायक व्यवसाय के रूप में अपनाएं। इसके लिए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ कृषि आधारित प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की जा रही हैं।

उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करने और मूल्य संवर्धन के लिए प्रोसेसिंग यूनिट लगाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो जाए तो वे देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता सहित प्रदेश की कई महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का लाभ वर्तमान के साथ आने वाली कई पीढ़ियों तक किसानों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार नई योजनाएं लागू कर रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केन्द्र सरकार की सहायता के साथ राज्य सरकार भी 3 हजार रुपये अतिरिक्त देकर किसानों को प्रतिवर्ष कुल 9 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद में 150 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। किसानों को ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण, फसल बीमा योजना, बिजली बिलों में राहत तथा सोलर पंप सेट लगाने पर अनुदान जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जा रही है और जल्द ही पूरे राजस्थान में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और पशुपालन किसान जीवन के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इन्हें मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार गोपालक क्रेडिट कार्ड ऋण योजना और मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। इससे किसानों की आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी नौकरियों के साथ निजी क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित कर रही है। नई युवा नीति के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जबकि गांवों में स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के माध्यम से आर्थिक संबल दिया जा रहा है।

ग्राम विकास चौपाल के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले किसानों और युवाओं ने मुख्यमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। प्रगतिशील किसान अशोक जांगु ने बताया कि सरकारी योजनाओं के सहयोग से उन्होंने खारे पानी वाले क्षेत्र में अनार की खेती, ग्रीन हाउस और पशुपालन को अपनाकर सालाना 60 से 70 लाख रुपये तक की आय अर्जित की है। उन्होंने किसानों से आधुनिक खेती अपनाने की अपील की।

पद्मश्री हिम्मता राम भांभू ने बताया कि 27 वर्ष पहले लगाए गए 14 हजार पौधे आज घने वृक्ष बन चुके हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मिले सरकारी सहयोग और पशुपालन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं की सराहना की।

प्रगतिशील किसान पारुल ने कहा कि सरकार के सहयोग से नागौर की अश्वगंधा को जीआई टैग मिलने के बाद इसकी वैश्विक पहचान बनी है। बेहतर बीज और प्रोसेसिंग यूनिट उपलब्ध होने से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

जैविक खेती करने वाली किसान मीरा ने बताया कि उन्होंने 15 वर्ष पहले जहर मुक्त खेती का संकल्प लिया था। शुरूआती कठिनाइयों के बाद अब उन्हें बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खेती और पशुपालन दोनों क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकार का भरपूर सहयोग मिला है।

युवा उद्यमी ओंकार चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत 25 लाख रुपये का ऋण मिलने से उन्होंने अपनी हैंडिक्राफ्ट यूनिट का विस्तार किया। जहां शुरूआत में तीन लोगों को रोजगार दिया था, वहीं आज उनकी इकाई में 40 से अधिक युवा कार्यरत हैं और ऑनलाइन माध्यम से देशभर में फर्नीचर की बिक्री हो रही है। इसी प्रकार युवा उद्यमी लक्ष्मीकांत कड़वा ने बताया कि विश्वकर्मा उद्यमी योजना के तहत 10 लाख रुपये का ऋण मिलने से उन्होंने अपना उद्योग स्थापित किया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं ने युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनने का अवसर प्रदान किया है। कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री मंजू बाघमार, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक अजय सिंह किलक, लक्ष्मण राम कलरू, रेवंतराम डांगा सहित अनेक जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में किसान, पशुपालक, युवा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजस्थान में मानसून की रफ्तार सुस्त, 21 जुलाई से फिर सक्रिय होने के आसार

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मानसून की रफ्तार अभी भी थमी हुई है। प्रदेश में शनिवार को केवल 10 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। कमजोर मानसून के कारण राज्य में अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। मौसम विभाग के अनुसार 21 जुलाई से मानसून एक बार फिर सक्रिय हो सकता है। इस दिन प्रदेश के 20 से अधिक जिलों में तेज बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 22 और 23 जुलाई से पश्चिमी तथा मध्य राजस्थान में भी बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। वहीं 23 से 26 जुलाई के बीच बीकानेर और जोधपुर संभाग के कई इलाकों में अच्छी बारिश होने के संकेत हैं। शनिवार को बाड़मेर, बालोतरा, जालोर, सिरोही, उदयपुर, सलूंबर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, बारां और झालावाड़ जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटे में डूंगरपुर, कोटा और अलवर में सबसे अधिक वर्षा हुई। डूंगरपुर में 12.5 मिमी और कोटा में 16.6 मिमी बारिश हुई, जबकि अलवर में देर शाम तेज बारिश का दौर चला। मानसून की सुस्ती के बीच प्रदेश में गर्मी और उमस का असर बना हुआ है। श्रीगंगानगर सहित चार जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर मापा गया। श्रीगंगानगर सबसे गर्म रहा, जहां पारा करीब 42 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इसके अलावा चूरू में 41.1 डिग्री और बीकानेर में 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन से चार दिनों तक कोटा, भरतपुर और जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की गतिविधियां बनी रह सकती हैं, लेकिन 21 जुलाई से मानसून के दोबारा सक्रिय होने के साथ प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा का दौर तेज होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री योगी आज बुलंदशहर, अमरोहा और संभल के दौरे पर

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बुलंदशहर, अमरोहा और संभल के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री पहले बुलंदशहर पहुंचेंगे। योगी बुलंदशहर में रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर, खंडवाया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां से मुख्यमंत्री नुमाइश मैदान के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री नुमाइश मैदान में 574 करोड़ रुपये से अधिक की 57 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा योगी विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, चाबी, थर्मल

प्रिंटर और प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। यहां वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। बुलंदशहर के बाद मुख्यमंत्री अमरोहा पहुंचेंगे, जहां गजरौला स्थित श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय में 207 करोड़ रुपए से अधिक की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, चाबी एवं लैपटॉप और प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। यहां वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। अमरोहा दौरे के बाद मुख्यमंत्री संभल पहुंचेंगे। यहां मुख्यमंत्री इंट्रीग्रेटेड मुख्यालय के पास आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी 569 करोड़ रुपये की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास करेंगे। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित करेंगे। यहां वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। संभल के बाद मुख्यमंत्री बरेली होते हुए लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

समाज को दिशा प्रदान करता है साहित्य : सतीश महाना

लखनऊ : उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना के सन्दर्भ पुस्तकालय में शुक्रवार को गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों के 467वें युगऋषि वाङ्मय की स्थापना की गई। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि ह्लऋषि का सद्साहित्य समाज के मार्गदर्शन के लिए है। ऐसे साहित्य से व्यक्ति को जीवन में सकारात्मक दिशा, संस्कार और सत्कर्म की प्रेरणा मिलती है। केवल शब्दों को पढ़ने का नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का भी प्रयास किया जाना चाहिए ह्व उन्होंने कहा कि ज्ञान और सद्विचारों पर आधारित साहित्य व्यक्ति के चरित्र निर्माण के साथ-साथ समाज को भी नई दिशा प्रदान करता है।

राखी बाजार से महिला सशक्तिकरण को मिलेगी नई पहचान : जिलाधिकारी

एजेंसी

कानपुर : महिलाओं के स्वावलंबन और सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने वाले आयोजनों से समाज को नई दिशा मिलती है। अर्पिता महिला मंडल की ओर से आयोजित राखी बाजार इसी उद्देश्य की सार्थक पहल है। यह बातें शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अर्पिता महिला मंडल के राखी बाजार के उद्घाटन के दौरान कहीं। अर्पिता महिला मंडल की ओर से आयोजित दो दिवसीय राखी बाजार का शुभारंभ शुक्रवार को

सेंट्रल स्थित किंग्सटन लॉन में हुआ। कार्यक्रम में शहर की महिलाओं द्वारा तैयार की गई आकर्षक एवं हस्तनिर्मित राखियां लोगों के लिए प्रदर्शित की गईं। शनिवार को आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि आईआरएस एवं केस्को की प्रबंध निदेशक नेहा जैन उपस्थित रहेंगी। उल्लेखनीय है कि अर्पिता महिला मंडल पिछले तीन दशकों से महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संस्था समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती है। राखी बाजार से होने वाली आय का उपयोग संस्था द्वारा संचालित जनहित कार्यों में किया जाएगा।

पीएम सूर्य घर योजना में देश में दूसरे स्थान पर पहुंचा यूपी

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा है। प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत घरेलू रूफटॉप सोलर स्थापना में उत्तर प्रदेश ने देश में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। प्रदेश में अब तक 6,74,393 घरेलू रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना हो चुकी है। पीएम सूर्य घर योजना की राष्ट्रीय रैंकिंग में गुजरात 7,49,839 स्थापनाओं के साथ पहले स्थान पर, जबकि उत्तर प्रदेश 6,74,393 स्थापनाओं के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र 6,73,717 स्थापनाओं के साथ तीसरे स्थान पर है।

2,283.8 मेगावाट घरेलू रूफटॉप सोलर क्षमता हुई विकसित

यूपी नेडा डायरेक्टर रविन्दर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर प्रदेश में घरेलू रूफटॉप सोलर के तेजी से विस्तार के परिणामस्वरूप अब तक लगभग 2,283.8 मेगावाट यानी 2.28 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। इससे प्रदेश के लाखों घर अपनी छतों पर स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रूफटॉप सोलर से उपभोक्ताओं की पारंपरिक ग्रिड बिजली पर निर्भरता कम होने के साथ-साथ उनके मासिक बिजली बिल में भी उल्लेखनीय कमी आई है। प्रदेश के लाखों परिवारों को प्रतिदिन लगभग ?6.5 करोड़ मूल्य की निःशुल्क सौर बिजली का लाभ प्राप्त हो रहा है।

7,000 से अधिक कंपनियां, 85 हजार से अधिक रोजगार

पीएम सूर्य घर योजना के व्यापक विस्तार ने उत्तर प्रदेश में एक मजबूत सोलर इकोनॉमी इकोसिस्टम विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदेश में सोलर सेक्टर से जुड़ी 7,000 से अधिक कंपनियां एवं व्यावसायिक इकाइयां सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से 85,000 से अधिक लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। इससे विशेष रूप से युवाओं, तकनीकी पेशेवरों, इलेक्ट्रिशियन, इंजीनियरों, स्थानीय उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

9,000 एकड़ से अधिक भूमि की आवश्यकता में बचत

घरेलू रूफटॉप सोलर मॉडल की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसमें बिजली उत्पादन के लिए अलग से बड़े भू भाग की आवश्यकता नहीं होती। घरों और भवनों की उपलब्ध छतों का उपयोग स्वच्छ बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है।

विधानसभा चुनाव की सफलता का आधार बूथ स्तर का सशक्त संगठन : संजय गुप्ता

प्रयागराज : वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की सफलता का आधार बूथ स्तर का सशक्त संगठन होगा। यह बातें शुक्रवार को 22 जुलाई को आयोजित होने वाले बूथ सम्मेलन की तैयारी को लेकर हुई बैठक में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहीं। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि 22 जुलाई को आयोजित होने वाले बूथ सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाकर संगठन की ताकत का परिचय दें। उन्होंने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का अभियान तेजी से चल रहा है और सभी 15 मंडलों में बूथ समितियों का गठन पूरा हो चुका है।

शुक्रवार को सिविल लाइंस स्थित भाजपा महानगर कार्यालय में आयोजित बैठक में महानगर पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं प्रभारियों को संबोधित करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि बूथ सम्मेलन शहर उत्तरी, शहर दक्षिणी और शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तान की सेना ने राजौरी जिले की नियंत्रण सीमा पर छोटे हथियारों से की गोलीबारी

राजौरी : पाकिस्तान की सेना ने शुक्ररवार- शनिवार की दरम्यानी रात जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले की नियंत्रण सीमा पर तरकुंडी सेक्टर में छोटे हथियारों से भारी गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी इस गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। समाचार लिखे जाने तक इस गोलीबारी में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। माना जा रहा कि पाकिस्तान ने पीओके में उत्पन्न हालात से देश-दुनिया का ध्यान हटाने के लिए ही नियंत्रण सीमा पर गोलीबारी की है। इस दौरान घुसपैठ की भी आशंका जताई जा रही है। इसके मद्देनजर भारतीय सेना ने तलाशी अभियान शुरू किया है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है

काशी की धरती पर होगा 'प्रिय केलकर जी' कार्यक्रम, अभाविप के नवीन-पूर्व कार्यकर्ता होगें शामिल

वाराणसी : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की काशी प्रांत इकाई की ओर से महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में आगामी 20 जुलाई, सोमवार को अपराह्न एक बजे से यशवंत राव केलकर के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर 'प्रिय केलकर जी' विषय आधारित अभिवाचन और विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकताओं का स्नेह मिलन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी काशी प्रांत के मंत्री शिवम सिंह ने दी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री शिवम सिंह ने शनिवार को बताया कि प्रिय केलकर जी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय रहेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर रघुराज किशोर तिवारी रहेंगे। इस आयोजन की अध्यक्षता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी करेंगे।

उन्होंने बताया कि अभाविप के प्रेरणा स्रोत, राष्ट्र चिंतक, महान शिक्षाविद यशवंत राव केलकर का जन्म शताब्दी वर्ष चल रहा है, जिसमें देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजन हो रहे हैं। काशी में लंबे समय तक कार्य करने वाले पूर्व कार्यकताओं की उपस्थिति में यह आयोजन होने से वर्तमान कार्यकताओं को नई ऊर्जा मिलेगी। नवीन कार्यकताओं और पूर्व कार्यकताओं के संयुक्त आयोजन को स्नेह मिलन कार्यक्रम का नाम दिया गया है। इस आयोजन के अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही, प्रांत संगठन मंत्री आकाश, प्रांत अध्यक्ष डॉ महेंद्र त्रिपाठी सहित प्रांत, विभाग, विश्वविद्यालय इकाई के तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

विंध्याचल पुलिस ने 20 लाख की हेरोइन के साथ चार तस्करों को दबोचा

मीरजापुर : मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विंध्याचल पुलिस ने शुक्रवार देर रात 20 लाख रुपये कीमत की 99.80 ग्राम हेरोइन के साथ चार शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के कब्जे से हेरोइन के साथ पैकिंग में प्रयुक्त सफेद पॉलिथिन भी बरामद की गई है। विंध्याचल थाना प्रभारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि सूचना पर उपनिरीक्षक गणेश पांडेय, उपनिरीक्षक चंद्रभान सिंह और पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चारों तस्करों को गिरफ्तार किया। इनमें महेंद्र बिंद उर्फ धर्मेंद्र बिंद निवासी लाल का डेरा गोसाई का पुरवा, बोतल बिंद निवासी महुवरिया, नागा पासी निवासी नई बस्ती तथा राजेश उपाध्याय निवासी लोहदी कला, थाना कोतवाली देहात को शामिल हैं । उनके कब्जे से 99.80 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस मामले में तस्करी के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के बारे में भी जांच कर रही है। पूछताछ के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध विंध्याचल थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी आरोपितों को न्यायालय भेज दिया गया।

मयना के अन्नपूर्णा बाजार में आग, चार दुकानें जलकर नष्ट

पूर्व मेदिनीपुर : पूर्व मेदिनीपुर जिले के मयना थाना क्षेत्र अंतर्गत अन्नपूर्णा बाजार में शनिवार तड़के भीषण आग लगने से चार दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं, जबकि एक अन्य दुकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार शनिवार तड़के लगभग तीन बजे बाजार की कुछ दुकानों से अचानक आग की लपटें और धुआं निकलता देखा गया। इसके बाद स्थानीय लोग तत्काल आग बुझाने में जुट गए। सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक स्तर पर शॉर्ट सर्किट अथवा अन्य किसी कारण की आशंका व्यक्त की जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर मयना थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। अग्निकांड में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

बंगाल में मानसून सक्रिय, कई जिलो ं में भारी वर्षा का पूवार्नुमान

कोलकाता : पश्चिम बंगाल मानसून की सक्रियता निरंतर बनी हुई है। मौसम विज्ञानिको के अनुसार शनिवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी वर्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है। हवा में नमी का स्तर अधिक रहने से लोगों को उमस भरी गर्मी का भी सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अधिकतम तापमान 32 से 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दक्षिण बंगाल के तटीय और उससे सटे जिलों में मानसूनी गतिविधियां अधिक प्रभावी रहने की संभावना है। दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर तथा झाड़ग्राम के कुछ क्षेत्रों में 70 से 110 मिलीमीटर तक भारी वर्षा हो सकती है। इसे देखते हुए तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तथा मछुआरों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। महानगर कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रहने तथा कुछ स्थानों पर गरज के साथ तेज बौछारें पड़ने की संभावना व्यक्त की गई है। कोलकाता में अधिकतम तापमान 32 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। वर्षा के बावजूद अधिक आर्द्रता के कारण उमस बनी रह सकती है। उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में भी हल्की से मध्यम वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका को देखते हुए प्रशासन सतर्क है। मौसम विभाग ने आगामी 24 से 48 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में वज्रपात की आशंका भी व्यक्त की है तथा लोगों से खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

जामुड़िया के कैलस्टार स्पंज लिमिटेड में भीषण फर्नेस ब्लास्ट,

पश्चिम बर्दवान : पश्चिम बर्दवान जिले के जामुड़िया इंडस्ट्रियल एरिया के शेखपुर स्थित कैलस्टार स्पंज लिमिटेड में शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस) के फर्नेस में हुए भीषण विस्फोट से चार श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज आसपास के कई गांवों तक सुनाई दी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ब्लास्ट के बाद फर्नेस से निकला पिघला हुआ लोहा कारखाने परिसर में फैल गया, जिससे राहत एवं बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं।

2027 पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटी बसपा, संगठन मजबूत करने पर दिया जोर

पलामू टाउन हॉल में संगठन समीक्षा एवं कैडर बैठक संपन्न, कई दलों के नेताओं ने थामा बसपा का दामन

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : बहुजन समाज पार्टी के पलामू जोन इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को मेदिनीनगर स्थित टाउन हॉल में संगठन समीक्षा कार्यक्रम एवं कैडर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा वर्ष 2027 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद एवं मुख्य सेक्टर प्रभारी संख्या-3 राजाराम ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने और आगामी पंचायत चुनाव में अधिक से अधिक उम्मीदवार उतारकर सफलता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि केंद्रीय स्टेट प्रभारी मान्यवर रामचंद्र त्यागी ने संगठन विस्तार पर बल देते हुए कहा कि झारखंड में बसपा को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर जनसंपर्क अभियान चलाना होगा। प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का स्वागत करते हुए संगठन की मजबूती को समय की आवश्यकता बताया।बैठक की अध्यक्षता जोन प्रभारी सह हुसैनाबाद नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने की, जबकि संचालन पलामू जिला अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने किया।

बैठक के दौरान कांग्रेस छोड़कर रूपनाथ बैठा तथा राष्ट्रीय जनता दल छोड़कर अंटू सिंह खरवार ने बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वहीं इंजीनियर अभिषेक भारती ने बसपा को आजीवन आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।इसके अलावा चैनपुर प्रखंड से मुख्तार अंसारी, छतरपुर प्रखंड से सादिक अंसारी, इदरीश अंसारी एवं सरफुद्दीन अंसारी सहित कई लोगों ने भी बसपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकताओं एवं समर्थकों की उपस्थिति रही।

बैठक में जोन प्रभारी चंद्रशेखर दास, मुंगेश्वर राम, प्रमोद मोची, प्रदेश महासचिव रमेश राम, पूर्व प्रत्याशी शेर अली, गढ़वा जिला अध्यक्ष नंदा पासवान, पूर्व प्रत्याशी विनोद कुमार सोनी, हरि यादव, हरदयाल सिंह, नजीर अंसारी, आदिल कुमार रंजन, प्रमोद कुमार रवि, जुगल किशोर राम, धर्मदेव शर्मा, सुहैल हक, अजय कुमार, रामनारायण राम, साबिर अंसारी, जुदागिर राम, मोहम्मद शफीक अंसारी, प्रणव कुमार, सूरजमल राम, अनुज कुमार, धनु सिंह खरवार, श्रवण कुमार रवि, शिवपुकार राम, अमेश राम सहित अनेक नेताओं ने संगठन को मजबूत बनाने पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के अंत में झारखंड प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा सभा की समाप्ति की घोषणा की। बैठक में पार्टी कार्यकताओं ने संगठन विस्तार और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा को लेकर धारा 163 लागू

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में रहेगा निषेधाज्ञा

संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2024 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर सिमडेगा अनुमंडल प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

अनुमंडल कार्यालय, सिमडेगा द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह परीक्षा 19 जुलाई 2026 (रविवार) को जिले के 11 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में 18 जुलाई से 19 जुलाई 2026 तक विशेष प्रतिबंध प्रभावी रहेंगे।

जिन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी, उनमें सिमडेगा कॉलेज, जिला सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (एसएस बॉयज), एसएस गर्ल्स हाई स्कूल, उसुर्लाइन कॉन्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल, सेंट ऐन्स हाई स्कूल, सेंट मैरी हाई स्कूल, सेंट जॉन्स स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, केजीबीवी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय तथा विमेंस कॉलेज सलडेगा शामिल हैं।

ये रहेंगे प्रमुख प्रतिबंध

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गयी है. हथियार, लाठी, डंडा या अन्य आपत्तिजनक वस्तु लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा. परीक्षा केंद्रों के आसपास मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, स्मार्ट वॉच एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के उपयोग एवं बिक्री पर रोक है. परीक्षा अवधि में केंद्रों के समीप फोटोकॉपी एवं प्रिंटिंग दुकानें बंद रहेंगी। किसी भी प्रकार की नारेबाजी, जुलूस तथा डीजे/लाउडस्पीकर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. परीक्षा केंद्रों के आसपास अनधिकृत वाहन पार्किंग एवं भीड़-भाड़ पर रोक है. परीक्षा ड्यूटी में लगे दंडाधिकारियों, पुलिस बल एवं कर्मियों के कार्य में बाधा उत्पन्न करना दंडनीय होगा। हालांकि, यह आदेश परीक्षा ड्यूटी में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पुलिस बल पर लागू नहीं होगा। प्रशासन ने आम नागरिकों से परीक्षा के दौरान जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

गोड्डा के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लोगों के रक्षक व सच्चे हितैषी हैं

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी के नाम की चर्चा होने पर गोड्डा के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार का नाम स्वतः ही जुंबा पर चला आता है इसकी प्रमुख वजह यह है कि पुलिस अधीक्षक स्वयं लोगों को सुरक्षा और दायित्व के निर्वहन के लिए प्रेरित करते नजर आते हैं हेलमेट पहने की अनिवार्यता को समझाने के साथ साथ जीवन अनमोल है इसे भी बताते हैं। आत्मरक्षा, सुरक्षा के लिए लोगों को समझाते हैं। आमलोगों के लिए पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सरल , मृदुभाषी अपराधी और बदमाशों के लिए कड़क और तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी के रूप में उनकी सशक्त पहचान है।जन सुरक्षा और लोगों के बीच यह संदेश देने के लिए स्वयं पैदल मार्च करते हैं। पुलिस आमलोगों की सच्चे और अच्छे मित्र हैं। ऐसे आईपीएस अधिकारी से जिला और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं।

उच्च अधिकारियों के आदेश की अवहेलना पर गृह विभाग के अवर सचिव संजय कुमार झा निलंबित

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अवर सचिव संजय कुमार झा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना, संवेदनशील मामले में गंभीर लापरवाही तथा मनमाने ढंग से कार्य करने के आरोप में की गई है। इस संबंध में विभाग ने 15 जुलाई 2026 को आधिकारिक अधिसूचना जारी की है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से जुड़ा है मामला

मामला राज्य के सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन से जुड़ा है। इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त अदालत के मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने 11 जुलाई 2026 को सभी राज्यों के गृह सचिवों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की थी।

निर्देशों की अनदेखी का आरोप

बैठक के बाद उच्च अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि थानों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना से संबंधित रिपोर्ट सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग से प्राप्त कर प्रस्तुत की जाए। आरोप है कि अवर सचिव संजय कुमार झा ने इस निर्देश का पालन नहीं किया और अपने स्तर पर ही एक प्रतिवेदन तैयार कर ईमेल के माध्यम से सीधे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे के कार्यालय को भेज दिया।

सरकार ने इसे एक अत्यंत संवेदनशील एवं सुप्रीम कोर्ट से जुड़े मामले में गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता माना है।

नियमावली के तहत हुई कार्रवाई

जारी अधिसूचना के अनुसार, संजय कुमार झा को झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखंड, रांची निर्धारित किया गया है।

साथ ही, निलंबन अवधि में उन्हें नियम-10 के प्रावधानों के अनुसार देय जीवन निर्वाह भत्ता (र४३२३ील्लू अ''ङ्क६ल्लू) प्रदान किया जाएगा। सरकार की इस कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सीसीटीवी रिपोर्ट मामले में बड़ी कार्रवाई

संयुक्त सचिव मनीषा जोसेफ तिग्गा निलंबित

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त सचिव मनीषा जोसेफ तिग्गा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी की है।

जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य के थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से जुड़े मामले में सक्षम प्राधिकार की स्वीकृति के बिना वास्तविक तथ्यों से अलग रिपोर्ट तैयार कर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता को भेजी गई थी। सरकार ने इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही माना है। इसी आधार पर झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के प्रावधानों के तहत मनीषा जोसेफ तिग्गा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय, रांची निर्धारित किया गया है। सरकार की इस कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

1857 से पूर्व पलामू : सामाजिक चेतना, राजनीतिक संघर्ष और स्वाधीनता की पृष्ठभूमि

हृदयानंद मिश्र

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में जब 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की चर्चा होती है, तब सामान्यतः मेरठ, दिल्ली, कानपुर, झाँसी और लखनऊ जैसे केंद्रों का उल्लेख प्रमुखता से किया जाता है। किंतु इस व्यापक राष्ट्रीय संघर्ष की जड़ें देश के अनेक दूरस्थ क्षेत्रों में पहले से ही विकसित हो रही थीं। झारखंड का पलामू भी ऐसा ही एक क्षेत्र था, जहाँ 1857 से बहुत पहले सामाजिक असंतोष, राजनीतिक प्रतिरोध और आर्थिक शोषण के विरुद्ध जनचेतना आकार ले चुकी थी। यही कारण है कि 1857 का विद्रोह यहाँ अचानक नहीं फूटा, बल्कि लंबे समय से पनप रहे असंतोष का संगठित विस्फोट बनकर सामने आया।

पलामू का इतिहास केवल भौगोलिक सीमाओं का इतिहास नहीं है; यह स्वाभिमान, स्थानीय स्वशासन और प्रतिरोध की परंपरा का इतिहास भी है। चेरो शासकों ने लंबे समय तक इस क्षेत्र में शासन किया और स्थानीय सामाजिक संरचना तथा प्रशासनिक व्यवस्था को विकसित किया। पलामू का किला उस स्वायत्त राजनीतिक परंपरा का सशक्त प्रतीक था। यद्यपि अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रभाव इस क्षेत्र तक पहुँचा, फिर भी स्थानीय समाज ने औपनिवेशिक हस्तक्षेप को सहज रूप से स्वीकार नहीं किया। राजस्व व्यवस्था, प्रशासनिक नियंत्रण और स्थानीय अधिकारों में अंग्रेजी दखल ने व्यापक असंतोष को जन्म दिया। यही परिस्थितियाँ आगे चलकर प्रतिरोध की भूमि बनीं।

औपनिवेशिक शासन की सबसे बड़ी चुनौती केवल राजनीतिक अधीनता नहीं थी, बल्कि आर्थिक नियंत्रण भी था। कंपनी सरकार की नई भू-राजस्व नीतियों ने किसानों, पारंपरिक भू-स्वामियों और स्थानीय समुदायों पर अतिरिक्त बोझ डाला। वन संसाधनों पर नियंत्रण, पारंपरिक अधिकारों में हस्तक्षेप तथा स्थानीय प्रशासन में बाहरी प्रभाव के कारण ग्रामीण और जनजातीय समाज में असंतोष बढ़ता गया। पलामू जैसे वनप्रधान क्षेत्र में जंगल केवल प्राकृतिक संपदा नहीं थे, बल्कि आजीविका, संस्कृति और सामाजिक जीवन का आधार थे। इन संसाधनों पर बढ़ते औपनिवेशिक नियंत्रण ने स्थानीय समुदायों के भीतर प्रतिरोध की भावना को और तीव्र किया।

सामाजिक दृष्टि से पलामू विविध समुदायों का क्षेत्र था, जहाँ चेरो, खरवार, भोगता, उराँव तथा अन्य स्थानीय समुदायों ने परस्पर सहयोग और साझा जीवन की परंपरा विकसित की थी। गाँव केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं थे, बल्कि सामाजिक निर्णय, सामुदायिक न्याय और सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र थे। यही स्थानीय संगठनात्मक शक्ति आगे चलकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनसंगठन का आधार बनी। 1857 में नीलाम्बरझपीताम्बर द्वारा विभिन्न समुदायों को एकजुट कर संघर्ष का नेतृत्व कर पाना इस पूर्ववर्ती सामाजिक एकजुटता का ही परिणाम था।

राजनीतिक दृष्टि से भी पलामू में असंतोष लगातार बढ़ रहा था। अंग्रेजी शासन स्थानीय नेतृत्व की स्वायत्तता को सीमित कर रहा था और प्रशासनिक ढाँचे को कंपनी के हितों के अनुरूप पुनर्गठित किया जा रहा था। इससे परंपरागत नेतृत्व, स्थानीय जमींदारों और ग्रामीण समाज के बीच असुरक्षा की भावना उत्पन्न हुई। यह संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का प्रश्न नहीं था, बल्कि स्थानीय अधिकारों, सम्मान और परंपरागत जीवन-पद्धति की रक्षा का भी प्रश्न था।

यह समझना आवश्यक है कि 1857 का पलामू विद्रोह केवल सैनिक असंतोष का परिणाम नहीं था। उसकी पृष्ठभूमि में दशकों से विकसित हो रही सामाजिक चेतना, आर्थिक दबाव, राजनीतिक असंतोष और सांस्कृतिक स्वाभिमान की भावना सक्रिय थी। जब उत्तर भारत में विद्रोह की चिंगारी फैली, तब पलामू में उसे तत्काल समर्थन इसलिए मिला क्योंकि यहाँ की परिस्थितियाँ पहले से ही प्रतिरोध के लिए तैयार थीं। इसीलिए नीलाम्बरझपीताम्बर और उनके सहयोगियों का संघर्ष किसी आकस्मिक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम था।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पलामू के इतिहास को केवल क्षेत्रीय इतिहास के रूप में न देखा जाए। यह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की उस व्यापक धारा का हिस्सा है जिसमें स्थानीय संघर्षों ने राष्ट्रीय चेतना को शक्ति प्रदान की। 1857 से पूर्व पलामू की सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों का गंभीर अध्ययन हमें यह समझने में सहायता देता है कि स्वतंत्रता का विचार केवल महानगरों में नहीं, बल्कि भारत के गाँवों, जंगलों और सीमांत क्षेत्रों में भी समान रूप से जीवित था।

इतिहास का न्याय तभी होगा जब पलामू की इस गौरवशाली विरासत को राष्ट्रीय विमर्श में उसका उचित स्थान मिले। 1857 के संग्राम की पृष्ठभूमि को समझे बिना न तो नीलाम्बरझपीताम्बर के योगदान का समुचित मूल्यांकन किया जा सकता है और न ही पलामू की उस स्वाधीनता चेतना का, जिसने औपनिवेशिक सत्ता को खुली चुनौती देने का साहस दिखाया।

न्यूज IN ब्रीफ

नवनियुक्त जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार का वित्त रहित मोर्चा ने किया स्वागत

मेदिनीनगर : जिले के नवपदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) संदीप कुमार का झारखंड राज्य वित्त रहित मोर्चा, पलामू जिला इकाई की ओर से गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ (बुके) भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।मोर्चा के अध्यक्ष मंडल सदस्य सह प्राचार्य अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में मृत्युंजय सिंह, सच्चिदानंद सिंह, दिनेश कुमार, बसंत पाठक, विनोद कुमार, अविनाश सिंह, सुशील सिंह, भोला सिंह, अंशुल सिंहा, भोला मेहता, अवध बिहारी प्रसाद, शत्रुघ्न कुमार सहित कई शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल रहे।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के समक्ष वित्त रहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के साथ-साथ जिले की वित्त रहित शिक्षण संस्थाओं से जुड़ी विभिन्न व्यावहारिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को विस्तार से रखा। मोर्चा के पदाधिकारियों ने इन समस्याओं के शीघ्र एवं सकारात्मक समाधान की दिशा में आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया।जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि विभागीय नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप सभी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नए जिला शिक्षा पदाधिकारी के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा वित्त रहित शिक्षण संस्थाओं और शिक्षक-कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल होगी।

संपूर्ण क्रांति आंदोलन के शहीद छात्रों को साकची में दी गई श्रद्धांजलि

जमशेदपुर : 18 जुलाई 1974 के ऐतिहासिक संपूर्ण क्रांति छात्र आंदोलन के दौरान शहीद हुए जमशेदपुर के तीन क्रांतिकारी छात्रों प्रणव मुखर्जी, राजीव रंजन और मोहम्मद मुसीम को साकची शहीद चौक पर आज भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया तथा उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक और छात्र संगठनों ने उनके बलिदान को याद करते हुए कहा कि इन युवाओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यवस्था परिवर्तन के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।शहीद स्मारक निर्माण समिति, जमशेदपुर, जेपी युया छात्र संघर्ष मोर्चा तथा झारखंड क्रांति सेना की ओर से जारी संदेश में कहा गया कि संपूर्ण क्रांति आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है।

इस आंदोलन में शहीद हुए छात्रों का योगदान हमेशा प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।संगठनों के संजीव आचार्य ने इस मौके पर कहा कि युवाओं को इन शहीदों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने शहीदों के सपनों के अनुरूप समाज निर्माण का संकल्प दोहराते हुए उनके बताए आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

गोलगप्पा ठेला विवाद : पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया

जमशेदपुर : शंकोसाई रोड नंबर-5 स्थित जेपी स्कूल के पास गोलगप्पा ठेले पर हुए विवाद के बाद युवक पर हमले के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। उससे मिली जानकारी के आधार पर घटना में शामिल अन्य युवकों की पहचान और तलाश की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ा और कुछ ही देर में मारपीट की घटना हुई। हिरासत में लिए गए युवक से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के समय मौके पर कितने लोग मौजूद थे और किसने हमला किया।

साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हमले के दौरान चापड़ वास्तव में लाया गया था या नहीं।घायल अमन सिंह की ओर से फिलहाल लिखित शिकायत नहीं दिए जाने के कारण पुलिस अपने स्तर पर प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्य जुटा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि पूरी घटना का क्रम स्पष्ट हो सके।

जेएफडब्ल्यूसीई परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए चलेगी हावड़ा-टाटानगर स्पेशल मेमू ट्रेन

जमशेदपुर : झारखंड फील्ड वर्कर प्रतियोगिता परीक्षा (जेएफडब्ल्यूसीई) 2024 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल ने 19 जुलाई को हावड़ा-टाटानगर-हावड़ा परीक्षा स्पेशल मेमू ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार, हावड़ा-टाटानगर परीक्षा स्पेशल मेमू ट्रेन 19 जुलाई की रात 12:05 बजे हावड़ा से रवाना होगी और उसी दिन सुबह 5:35 बजे टाटानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन हावड़ा और टाटानगर के बीच मार्ग के सभी स्टेशनों पर रुकेगी, ताकि अधिक से अधिक परीक्षार्थियों और यात्रियों को इसका लाभ मिल सके। वापसी में टाटानगर-हावड़ा परीक्षा स्पेशल मेमू ट्रेन 19 जुलाई को शाम 7:00 बजे टाटानगर से प्रस्थान करेगी और 20 जुलाई को रात 1:10 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

धनबाद को जल्द मिलेगा पहला सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट

धनबाद : शहर में हर दिन 360 टन कचरे का पहाड़ पिछले नौ वर्षों से अलग-अलग इलाके में खड़ा हो रहा है। कचरा प्रोसेसिंग प्लांट नहीं रहने की वजह से हर साल स्वच्छता रैंकिंग में धनबाद का नंबर भी कट जाता था। धनबाद नगर निगम की सबसे बड़ी समस्या का जल्द ही समाधान होने वाला है। बलियापुर के आमझर में सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का काम तेजी से चल रहा है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले साल धनबाद को पहला सोलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट मिल जाएगा। धनबाद नगर निगम और रेमकी कंपनी के बीच सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना के तहत 76 करोड़ रुपए का करार किया गया है। रेमकी कंपनी को नगर निगम अभी कचरा उठाने पर दो हजार रुपए प्रति टन का भुगतान करता है। सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट तैयार होने पर निगम को 30 प्रतिशत अधिक राशि का भुगतान करना है। आमझर में सिविल वर्क का काम तेजी से चल रहा है। वहीं प्लांट में लगने वाली मशीन को मंगाने के लिए ऑर्डर कर दिया गया है। लगभग 18 एकड़ जमीन पर सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का निर्माण कार्य चल रहा है। आमझर में जमीन का चयन करने से पहले बीसीसीएल ने 30 वर्षों तक अथवा खनन कार्य की आवश्यकता तक ही 38 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की शर्त रखी थी, जो परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं थी।